घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 45- सोमवार 15- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली....

मोदी जी का कॉन्फिडेंस खत्म,शाह के हाथ कांपते हैं,उनकी वोट चोरी पकड़ी गई : राहुल

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2025। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली जारी है। पार्टी सांसद राहुल गांधी ने कहा...पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस खत्म हो गया है। अमित शाह के हाथ कांपते हैं। वो जानते हैं कि उनकी चोरी पकड़ी गई है। राहुल ने आरोप लगाया कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार,सुखबीर सिंह,विवेक जोशी बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पीएम ने इनके लिए कानून बदला है। हम इस कानून को बदलेंगे और इन लोगों के खिलाफ एक्शन लेंगे। इन लोग नहीं भूलना चाहिए कि ये हिंदुस्तान के इलेक्शन कमिश्नर हैं बीजेपी के नहीं। राहुल से पहले पार्टी महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि जीवन में वोट की कीमत समझना जरूरी है। आज न्यायालय पर दबाव है। सारी मीडिया अंबानी-अडानी की है। कांग्रेस के नेताओं को तरह-तरह के आरोप लगाकर जेल में बंद किया गया। जो उनकी पार्टी में शामिल हो गए,उसे उनकी वॉशिंग मशीन ने साफ कर दिया। इससे पहले रैली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। वोट चोर गद्दी छोड़ और मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगाए। कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध वाले बैनर लेकर पहुंचे हैं। इसमें लिखा है- देश की जनता की अदालत का सबसे बड़ा गुनहगार कैदी नं. 420 ज्ञानेश कुमार। चुनाव आयोग बना है मोदी आयोग। इधर भाजपा ने पोस्टर जारी करते हुए लिखा कि तुम घुसपैठियों की सेवा में लगे रहो,हम देश की जनता की सेवा करते रहेंगे।

कांग्रेस की विचारधारा ही देश को बचा सकती है : खड़गे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा... कांग्रेस की विचारधारा ही देश को बचा सकती है। राहुल गांधी देश के लिए लड़ रहे हैं, उस लड़ाई को हमें मजबूत करना होगा। अगर आप (जन) उन विचारों को मजबूत नहीं करेंगे,तो आपका नुकसान है उनका नहीं। अगर देश बचाना है तो आप अपने लिए खड़ें हों। राहुल ने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मनुस्मृति की विचारधारा देश को खत्म कर देगी। मोदी और शाह संविधान को खत्म कर रहे हैं। हिंदुत्व के नाम पर वो लोग गरीबों को गुलामी में रखना चाहते हैं। देश को आजादी कांग्रेस ने दिलाई, मोदी तब पैदा भी नहीं हुए थे।

एसआईआर से मोदी-शाह माइनॉरिटी और दलितों का वोट काट रहे : रेवंथ रेड्डी

तेलंगाना सीएम रेवंथ रेड्डी बोले...जब संविधान बनाया गया तो उसमें दलितों माइनॉरिटी के लिए वोट देने का हक दिया। आरएसएस ने इसका विरोध किया था। उसी विचारधारा के साथ नरेंद्र मोदी ने सरकार बनाई। इसी संविधान को बदलने के लिए उन्होंने 400 सीट मांगी। उनकी 240 सीटें आने से संविधान बच गया। अब वो एसआईआरके बहाने माइनॉरिटी के वोट काट रहे हैं।

गौरव गोगोई ने कहा...चुनाव आयोग बीजेपी की कठपुतली...

गौरव गोगोई ने रैली में कहा...वोट चोरी की गूंज हमने सदन के अंदर सुनी, चुनाव आयोग बीजेपी की कठपुतली बन चुका है। सत्ता में बैठे लोग सुन लें कि उनकी चोरी को पकड़ने के लिए कांग्रेस का कार्यकर्ता लड़ाई लड़ेगा। प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ने सदन में सरकार की आंख में आंख में डालकर उन्हें ललकारा। उनकी बातें सुनकर अमित शाह हड़बड़ा गए। जब बीजेपी का 400 सीट का सपना विफल हो गया तो उन्होंने वोट चोरी शुरू की। उन्होंने फर्जी वोटर लिस्ट निकाली। अमित शाह के खास ज्ञानेश कुमार को कुर्सी पर बैठाया। हम हमेशा लोगों की आवाज बनते रहेंगे।

भुपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा...ये सरकार वोट चोरी से बनी

हरियाणा कांग्रेस के नेता भुपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पूरे देश में राहुल गांधी के नेतृत्व में आंदोलन चलाएंगे और लोगों को बताएंगे कि ये सरकार वोट चोरी से बनी है। राहुल हमेशा से इस मुद्दे को उठाते आए हैं। रैली में आए सभी लोगों से आग्रह करता हूं की हमारी बात गांव गांव तक पहुंचाएं।

राहुल ने कहा...अमित शाह के हांथ कांप रहे थे...

राहुल ने कहा...हरियाणा के लोगों के हाथों से चुनाव चोरी किया गया है। ब्राजिल की महिला 22 बार वोट देती है। यूपी के लोग आकर वहां वोट करते हैं। इधर भी वोट करते हैं उधर भी वोट करते हैं। चुनाव आयोग ने हमें कोई जवाब नहीं दिया। एक महिला 200 बार वोट कैसे देती है। एक घर में 600-700 लोग कैसे हैं। संसद में अमित शाह के हांथ कांप रहे थे। मैंने अमित शाह को चैलेंज किया कि पीसी पर चर्चा करते हैं। देश की जनता सत्य को समझती है। इनके हाथ से जैसे ही सत्ता जाएगी इनकी बहादुरी भी चली जाएगी। ये दो तीन अरबपतियों के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी और शाह वोट चोरी करके चुनाव जीतते हैं, सब जानते हैं। कर्नाटक में लाखों वोट डिलीट हुए। महाराष्ट्र में जोड़े गए। चुनाव आयोग ने कोई जवाब नहीं दिया। इस देश में सत्य की जीत होने वाली है। नफरत से नहीं, हिंसा से नहीं, सत्य अहिंसा के साथ मोदी शाह को हराएंगे। मोदी का कॉन्फिडेंस खत्म हो गया है। वो जानते हैं कि उनकी चोरी पकड़ी गई है। पूरे देश को हमारी सच्चाई पता लग जाएगी। वोट चोरी अंबेडकर के संविधान पर हमला है।

प्रियंका बोलीं... पीएम जनता के साथ खड़े नहीं होते

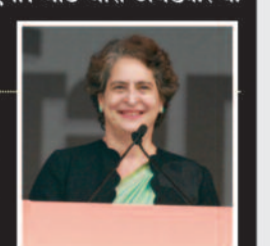

प्रियंका बोलीं...आज पीएम मोदी बड़े-बड़े राष्ट्रपतियों के साथ हाथ में हाथ डालकर फोटो खिंचाते हैं। लेकिन जनता के साथ नहीं खड़े होते हैं। बेटिंग एप पीएम ऑफिस के अधिकारी चला रहे थे। इसकी चर्चा क्यों नहीं होती। ये आपसे नहीं पूछ सकते कि आपके दुख क्या हैं। जो इतने सालों में हमने बनाया, इन्होंने सब बिखेर दिया। वोट का अधिकार सबसे बड़ा है,सच्चाई आप देख रहे हैं। ये अधिकार आपसे लिया जा रहा है। राहुल 8000 किमी चले,न्याय के लिए चले। कांग्रेस की शक्ति ने हमें आजादी दिलाई। हम आपके वोट की रक्ष करेंगे, आपके अधिकारों को मजबूत करेंगे।

पूर्व आईएएस राजकुमार गोयल होंगे मुख्य सूचना आयुक्त

वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष चतुर्वेदी बने केंद्रीय सूचना आयुक्त

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2025। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राज कुमार गोयल देश के अगले मुख्य सूचना आयुक्त होंगे। सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पैनल ने गोयल के नाम की सिफारिश की थी। इधर वरिष्ठ पत्रकार और प्रभात खबर के प्रधान संपादक आशुतोष चतुर्वेदी को केंद्रीय सूचना आयोग में सूचना आयुक्त नियुक्त किया गया है. राजकुमार गोयल अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम-यूनियन टेरिटरी (एजीएमयूटी) कैडर के 1990 बैच के आइएएस अधिकारी हैं। वे इसी साल 31 अगस्त को कानून और न्याय मंत्रालय के अधीन न्याय विभाग के सचिव के पद से सेवानिवृत हुए थे। उन्होंने गृह मंत्रालय में सचिव (सीमा प्रबंधन) के रूप में भी कार्य किया। वे केंद्र और जम्मू और कश्मीर में महत्वपूर्ण पदों पर रहे। केंद्रीय सूचना आयुक्त बने आशुतोष चतुर्वेदी को भारत के साथ-साथ विदेशों में भी काम करने का विशिष्ट अनुभव है। उन्होंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ कई देशों की विदेश यात्राएं की हैं। उन्होंने हिंदी जगत के बड़े मीडिया हाउस- माया, इंडिया टुडे, संडे ऑब्जर्वर, बीबीसी हिंदी, अमर उजाला में काम किया। वह एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के सदस्य रहे।

मणिपुर में हथियारों का जखीरा बरामद उग्रवादी कैडर व ड्रग तस्कर गिरफ्तार

इम्फाल,14 दिसम्बर 2025। मणिपुर में बीते 24 घंटे में सुरक्षा बलों और मणिपुर पुलिस ने अलग-अलग जिलों में व्यापक अभियान चलाकर हथियारों का जखीरा बरामद किया, कई उग्रवादी संगठनों के सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया और एक ड्रग तस्कर को भी दबोचा। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि, काकचिंग जिले के सुगनू थाना क्षेत्र अंतर्गत मोल्टिनचैन गांव इलाके में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए। बरामद सामग्री में एक एसएलआर बिना मैगजीन, स्थानीय रूप से निर्मित एक बोल्ट-एक्शन स्नाइपर राइफल खाली मैगजीन सहित, एक डीबीबीएल, एक एसबीबीएल, खाली मैगजीन सहित एक स्थानीय पिस्तौल, एक 36 एचई हैंड ग्रेनेड बिना डेटोनेटर, 7.62 एलएमजी की एक खाली मैगजीन, तीन ट्यूब लॉन्चिंग, एसएलआर की 15 गोलियां, पांच स्टन शेल और एक 51 मिमी एचई बम शामिल हैं। मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के कुम्बी थाना क्षेत्र अंतर्गत कुम्बी मायाई लेइकाई वार्ड नंबर-6 से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर थंगजाम प्रियोबार्ता सिंह उर्फ योक्खतपा (35) को उसके आवास से गिरफ्तार किया। इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थाना क्षेत्र के कांचीपुर इलाके से सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के दो सक्रिय उगाहीकर्ताओं को भी पकड़ा।

ऑस्ट्रेलिया में त्योहार मना रहे यहूदियों पर आतंकी हमला,12 की मौत

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने रेस्त्रां में छिपकर जान बचाई

सिडनी,14 दिसम्बर 2025। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए दोनों हमलावरों को गोली मारी। अधिकारियों के मुताबिक एक हमलावर की मौत हो गई है, जबकि दूसरा गंभीर हालत में है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन इस हमले में बाल-बाल बचे हैं। उन्होंने रेस्त्रां में छिपकर अपनी जान बचाई। उन्होंने इसे लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। वॉन ने एक्स पर लिखा- बॉन्डी में एक रेस्टोरेंट के अंदर बंद रहना बहुत डरावना था। अब मैं सुरक्षित घर पहुंच गया हूं। आतंकियों का सामना करने वाले इमरजेंसी स्टाफ्स का बहुत-बहुत धन्यवाद। इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं।

आतंकी हमले की दुनियाभर के नेताओं ने निंदा की...

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर आज हुई जानलेवा गोलीबारी को लेकर दुनियाभर के नेताओं ने संवेदना जाहिर की है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा कि उनका देश और ऑस्ट्रेलिया 'एक परिवार' की तरह हैं। वह इस हमले से स्तब्ध हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस गोलीबारी की खबर को बेहद परेशान करने वाला बताया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे यहूदी विरोधी आतंकी हमला कहा। ईयू चीफ उर्सुला डेर लेयेन ने कहा कि वे यहूदी विरोधी सोच के खिलाफ हैं। आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने कहा कि वे इस हिंसा से हैरान हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ ने इस हमले को ऑस्ट्रेलिया के लिए 'एक काला दिन' बताया। जर्मनी, इटली, ऑस्ट्रिया, स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, यूक्रेन, मोल्दोवा, सर्बिया, एस्टोनिया और लिथुआनिया समेत कई अन्य देशों के नेताओं ने भी इस हमले पर शोक और संवेदना जताई है।

हमलावर 24 साल का,कुछ दिन पहले ही नौकरी छिनी थी...

घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। एक वीडियो में नॉर्थ बॉन्डी बीच पर कई लाशें बिखरीं नजर आ रही हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इस घटना को चौंकाने वाला और बहुत दुखद बताया है। एक हमलावर की पहचान नावीद अकरम के रूप में हुई है। उसकी उम्र 24 साल है। वह राजमिस्त्री का काम करता था। कुछ दिन पहले ही उसकी नौकरी छिन गई थी। फिलहाल वह जिंदा है नहीं, यह जानकारी नहीं है।

भारत में यहूदी समुदाय के लिए सुरक्षा बढ़ाई गई...

भारत में यहूदी समुदाय के लिए हाई अलर्ट जारी किया गया है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी संगठन भारत में यहूदी त्योहार और यहूदी संस्थानों पर बड़े हमले की योजना बना सकते हैं। दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई को विशेष रूप से निशाना बनाया जा सकता है। 14 दिसंबर से 8 दिन का यहूदी त्योहार हनुक्का शुरू हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया में 29 साल बाद मास शूटिंग

ऑस्ट्रेलिया में बड़े पैमाने पर गोलीबारी की घटनाएं आम नहीं हैं। साल 1996 में पोर्ट आर्थर में हुए एक बेहद दर्दनाक हमले के बाद यहां सख्त गन कानून लागू किए गए थे। उस हमले में एक अकेले हमलावर ने 35 लोगों की हत्या कर दी थी। ऑस्ट्रेलिया में बंदूक खरीदने के लिए बहुत कड़ी जांच प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। हालांकि यहां भी बंदूक से जुड़े अपराध होते हैं, लेकिन आमतौर पर वे किसी खास व्यक्ति को निशाना बनाकर किए जाते हैं और उनका दायरा सीमित होता है। ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी के अनुसार,2023-24 के दौरान ऑस्ट्रेलिया में बंदूक से हत्या के कुल 31 मामले दर्ज किए गए। यह अब तक के सबसे ताजा आंकड़े हैं। बड़े पैमाने पर हमले यहां बहुत कम होते हैं। हाल की ऐसी एक घटना सिडनी के पूर्वी इलाके में हुई थी। अप्रैल 2024 में बॉन्डी जंक्शन के वेस्टफील्ड शॉपिंग सेंटर में एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर छह लोगों की हत्या कर दी थी। हमलावर को मौके पर ही गोली मार दी गई थी। बताया गया था कि उस व्यक्ति को पहले से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं थीं।

नितिन नबीन बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने

बिहार सरकार में मंत्री हैं,नए अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे...

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2025। भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फैसला लेते हुए बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को बिहार के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में बीजेपी की रणनीतिक मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी नेतृत्व ने उनके संगठनात्मक अनुभव,जमीनी पकड़ और प्रशासनिक क्षमता को देखते हुए यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति 14 दिसंबर 2025 से तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इस संबंध में पार्टी की ओर से औपचारिक संगठनात्मक आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, यह नियुक्ति भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड द्वारा की गई है। आदेश पर बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह के हस्ताक्षर हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि नितिन नबीन,जो वर्तमान में बिहार सरकार में मंत्री हैं,अब राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। नितिन नबीन वर्तमान में पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। वह छात्र राजनीति से लेकर संगठन के विभिन्न पदों तक का सफर तय कर चुके हैं। उनकी पहचान एक अनुशासित संगठनकर्ता और तेज फैसले लेने वाले नेता के रूप में रही है। बिहार बीजेपी में वे कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं, जिनमें प्रदेश स्तर पर संगठन को मजबूत करने की भूमिका शामिल है।

दिल्ली-एनसीआर में आउटडोर गेम्स पर रोक,एक्यूआई 497 पर पहुंचा

डॉक्टर बोले...बाहर कम निकलें,हल्के मास्क पहनें,आज GRAP IV लागू हुआ था

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2025 दिल्ली-एनसीआर में हवा की स्थिति बेहद खराब हो गई है। एक्यूआई 497 पहुंचने के बाद और सख्ती लागू कर दी गई है। कमीशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट ने सभी राज्य सरकारों को आदेश दिया है कि सभी स्कूलों और संस्थानों में बाहर होने वाली खेल गतिविधियों को तुरंत रोका जाए। आयोग ने चेतावनी दी है कि ऐसी गतिविधियां जारी रखना बच्चों के लिए 'गंभीर स्वास्थ्य खतरा' साबित हो सकता है। डॉक्टर भी लगातार लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अतुल माथुर ने कहा कि लोगों को बाहर कम निकलना चाहिए और हल्के मास्क पहनने चाहिए। CAQM ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि कुछ स्कूल अभी भी बाहर खेलकूद कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

नकली दवा फैक्ट्री का भंडाफोड़

आम लोगों की सेहत के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा था...मचा हड़कंप...

नई दिल्ली,14 दिसम्बर 2025। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली दवाओं के कारोबारियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। यह फैक्ट्री गाजियाबाद के लोनी इलाके में चल रही थी,जहां भारी मात्रा में स्किन से जुड़ी बीमारियों की नकली दवाएं तैयार की जा रही थीं। इन नकली दवाओं की सप्लाई पूरे नॉर्थ इंडिया में की जाती थी,जिससे आम लोगों की सेहत के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा था। दरअसल, दिल्ली क्राइम ब्रांच को सूचना मिल रही थी कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में नकली दवाओं का नेटवर्क एक्टिव है। इसी आधार पर पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू की। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने गाजियाबाद के लोनी में चल रही फैक्ट्री तक पहुंच बनाई और छापेमारी कर दी।

इस दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में स्किन रोगों की नकली दवाएं,बड़ी मात्रा में कच्चा माल, मशीनें,लेबल और नामी कंपनियों की दवाओं जैसे दिखने वाले पैकेट बरामद किए। इस पूरे मामले को लेकर पुलिस ने जब जांच की तो सामने आया है कि फैक्ट्री में तैयार की जा रही नकली दवाओं को दिल्ली के सदर बाजार समेत कई बड़े दवा बाजारों में सप्लाई किया जाता था।

संपादकीय

शिक्षा में चमके नया सूरज

भारतीय ज्ञान की रोशनी में लिखा जाएगा भविष्य

स्वतंत्रता के बाद भी,शिक्षा व्यवस्था ब्रिटिश मॉडल पर आधारित रही,लेकिन नई शिक्षा नीति 2020 भारतीय भाषाओं को शिक्षा की मूल भाषा बनाने पर केंद्रित है। यह नीति शिक्षा को रटने की बजाय कौशल और समझ पर आधारित करने का प्रयास करती है, और भारतीय ज्ञान को मुख्य धारा में लाने का प्रयास करती है।

वर्ष 1835 में जब थामस बैबिंगटन मैकाले ने अपना प्रसिद्ध 'मिनट आन एजुकेशन' लिखा,तब शायद उसे भी अनुमान नहीं था कि इसकी कुछ पंक्तियां सदियों तक भारत की शिक्षा-संरचना,भाषा-विचार और मानसिकता को इस गहराई तक प्रभावित करेंगी, लेकिन हुआ यही। एक छोटे से नोट ने भारत की विशाल और बहुभाषी शिक्षा परंपरा को झकझोर कर रख दिया। ब्रिटिश शासन से पहले भारत में शिक्षा स्वाभाविक, स्थानीय और सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई थी। गुरुकुल,पाठशालाएं,गुरु-शिष्य परंपरा,वैदिक-गणित,खगोलशास्त्र, चिकित्सा,तर्क-शास्त्र-सब भारतीय भाषाओं में पनपे।

बच्चा अपनी भाषा में सोचता था,सीखता था और जीवन-ज्ञान अर्जित करता था। ज्ञान केवल पुस्तकों एवं पांडुलिपियों तक सीमित नहीं था,यह जीवन और संस्कृति का हिस्सा था। ईस्ट इंडिया कंपनी शुरू में शिक्षा में रुचि नहीं रखती थी,परंतु धीरे-धीरे अंग्रेजों को यह समझ आया कि भारत जैसा विशाल देश केवल ताकत से नहीं,बल्कि शिक्षा एवं संस्कृति को बदलकर ही चलाया जा सकता है। यहीं से शुरू हुई भारतीय समाज को अंग्रेजी माध्यम और पश्चिमी सोच के दायरे में ढालने की नीति। मैकाले ने साफ लिखा कि पश्चिमी साहित्य और विज्ञान सर्वोच्च है और भारतीय ग्रंथ-परंपराएं 'कमतर'।

इसमें कहा गया कि सरकार का लक्ष्य ऐसा वर्ग तैयार करना होना चाहिए 'जो रक्त और रंग से भारतीय हो,किंतु विचारों और रुचियों से अंग्रेज।' अंग्रेज जानते थे कि स्थानीय भाषाओं में दी गई शिक्षा भारतीय समाज को एकजुट रखती है। इसलिए अंग्रेजी को आधुनिक और श्रेष्ठ घोषित किया गया तथा भारतीय भाषाओं को धीरे-धीरे प्रशासन,न्यायपालिका और उच्च शिक्षा से दूर किया गया। अंग्रेजी उच्च शिक्षा की एकमात्र सीढ़ी बन गई और भारतीय भाषाएं केवल 'घर-परिवार की भाषा' कहकर पीछे धकेल दी गई।

देश स्वतंत्र हुआ पर जिस शिक्षा व्यवस्था को हमने विरासत में पाया, वह पूरी तरह ब्रिटिश माडल पर आधारित थी। नीति-निर्माता स्वयं उसी औपनिवेशिक ढांचे में पढ़कर आए थे। कई लोग इंग्लैंड,यूरोप या भारत के अंग्रेजी माडल वाले विश्वविद्यालयों के उत्पाद थे। इस कारण, स्वतंत्रता के बाद शिक्षा सुधार की दिशा तो बदली, पर संरचना और विचार वही रहे। यह प्रभाव इतना गहरा था कि आज भी कई परिवार अंग्रेजी माध्यम को 'बेहतर जीवन' का प्रतीक मानते हैं। स्वतंत्रता के बाद बड़े आयोग बने-पर दृष्टिकोण यूरोपीय माडल का ही रहा।

यह सिलसिला 1948 की राधाकृष्णन समिति, 1964-66 के कोठारी आयोग, 1968 और 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीतियां और 2005 में राष्ट्रीय ज्ञान आयोग तक चलता रहा। इन सबके द्वारा शिक्षा में कुछ सुधार तो किया गया, पर ढांचा वही रहा- परीक्षा-केंद्रित, अंग्रेजी-प्रधान और पश्चिमी अकादमिक संरचना की नकल करने वाली शिक्षा। स्वतंत्रता के बाद स्थापित कई विश्वविद्यालय,जिनमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसी संस्थाएं भी शामिल है, ने ब्रिटिश और यूरोपीय विश्वविद्यालय माडल से आकार पाए।

कुछ भारतीय भाषाएं यहां भी 'अध्ययन का विषय' तो बन सकीं पर 'ज्ञान की भाषा' नहीं। अंग्रेजी आधारित शिक्षा के कारण भारतीय भाषाएं, विशेषतः संस्कृत,हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं, धीरे-धीरे उच्च शिक्षा में निम्नतम स्तर पर चलती चली गईं। 1991 के बाद शिक्षा में निजी क्षेत्र के प्रवेश ने अंग्रेजी शिक्षा को और तेजी से बढ़ावा दिया। निजी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम को प्रतिष्ठा का प्रतीक बनाया गया। सरकारी स्कूल भारतीय भाषाओं तक सीमित रह गए। यह वही मानसिकता है जिसकी जड़ें मैकाले की नीति में थीं।

नई शिक्षा नीति 2020 पहली नीति है जिसने कहा कि भारतीय भाषाएं शिक्षा की मूल भाषा हों,मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा मिले, भारत का ज्ञान-दर्शन,कला,गणित,साहित्य मुख्य धारा में आए, शिक्षा कौशल और समझ पर आधारित हो, न कि रटने पर। इसमें सामने आया 5+3+3+4 का नया ढांचा, जो बच्चों के बचपन, सीखने की प्रकृति और भाषा-मनोविज्ञान से मेल खाता है। उच्च शिक्षा में बहुविषयक विश्वविद्यालयों का विचार गुरुकुल और तक्षशिला की परंपरा जैसा है। भारतीय शिक्षा अपनी जड़ों की ओर लौट रही है और भारतीय मन औपनिवेशिक छाया से बाहर आने की तैयारी कर रहा है। यह राष्ट्रीय पुनर्जागरण का संकेत है- जहां शिक्षा भारतीय होगी, भाषा भारतीय होगी और भविष्य भारतीय ज्ञान की रोशनी में लिखा जाएगा।

5+3+3+4 ढांचा पारंपरिक 10+2 प्रणाली को बदलकर स्कूली शिक्षा को चार चरणों में बांटता है: 5 साल का फाउंडेशन स्टेज (3 साल प्री-स्कूल + कक्षा 1-2),3 साल का प्रारंभिक स्टेज (कक्षा 3-5),3 साल का मध्य स्टेज (कक्षा 6-8) और 4 साल का माध्यमिक स्टेज (कक्षा 9-12) लक्ष्य बच्चों के संज्ञानात्मक विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र और व्यावहारिक शिक्षा देना है, जिसमें तीन साल की उम्र से ही संरचित शिक्षा शुरू होती है।

जेल की दीवारों के भीतर दिव्यांगता...

गरिमा,अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा भिवानी,हरियाणा

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कारागार व्यवस्था केवल अपराध और दंड का प्रतीक नहीं होती,बल्कि वह राज्य की संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टि और संवैधानिक प्रतिबद्धता की भी कसौटी होती है। भारतीय संविधान व्यक्ति की गरिमा को सर्वोच्च मूल्य के रूप में स्वीकार करता है और यह गरिमा अपराधी या कैदी बनने के बाद समाप्त नहीं हो जाती। इसी पृष्ठभूमि में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्देश, जिनमें जेलों में दिव्यांग कैदियों के लिए सहायता,सुविधाओं के ऑडिट और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रभावी अनुपालन पर बल दिया गया है,भारतीय कारागार व्यवस्था की एक गंभीर लेकिन लंबे समय से उपेक्षित सच्चाई को सामने लाते हैं। ये निर्देश इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि कारागारों में बंद दिव्यांग व्यक्ति न केवल स्वतंत्रता से वंचित होते हैं, बल्कि अक्सर अपने बुनियादी मानवीय अधिकारों से भी वंचित रह जाते हैं। भारतीय जेलें ऐतिहासिक रूप से ऐसे'सामान्य'शारीरिक और मानसिक मानकों पर आधारित रही हैं, जिनमें दिव्यांगता को एक अपवाद या प्रशासनिक असुविधा के रूप में देखा गया। परिणाम स्वरूप,शारीरिक, संवेदी,बौद्धिक या मनोसामाजिक दिव्यांगता से ग्रस्त कैदियों की आवश्यकताओं को जेल प्रशासन के ढांचे में समुचित स्थान नहीं मिल पाया। प्रवेश के समय दिव्यांगता की पहचान और पंजीकरण का अभाव,आवश्यकताओं के आकलन की कमी और अलग से किसी नीति का न होना, इन कैदियों को अदृश्य बना देता है। यह अदृश्यता ही आगे चलकर उपेक्षा, असमान व्यवहार और कभी-कभी अमानवीय स्थितियों में बदल जाती है।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश इस स्थिति को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम,2016 कारागारों पर भी समान रूप से लागू होता है और 'उचित समायोजन'तथा 'सुलभता' कोई दया या विशेष सुविधा नहीं,बल्कि कानूनी अधिकार हैं। इसके साथ ही, जेल परिसरों में दिव्यांगता संबंधी सुविधाओं का नियमित ऑडिट,स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुँच और कानूनी सहायता के प्रावधान को अनिवार्य मानते हुए न्यायालय ने प्रशासनिक जवाबदेही की नींव रखी है। यह दृष्टिकोण कारागारों को केवल अनुशासनात्मक संस्थान नहीं,बल्कि अधिकार-आधारित सुधार गृह के रूप में देखने की मांग करता है।

वास्तविकता यह है कि भारतीय जेलों में दिव्यांग कैदियों को अनेक स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सबसे पहली और बुनियादी समस्या सुलभता की है। अधिकांश जेल परिसरों में रैंप,रेलिंग,सुलभ शौचालय, समतल फर्श,स्पर्शनीय पथ या स्पष्ट संकेतकों का अभाव है। व्हीलचेयर उपयोग करने वाले कैदियों के लिए सीढ़ियाँ रोजमर्रा की गतिविधियों को भी असंभव बना देती हैं,जबकि दृष्टिबाधित कैदियों के लिए असमान फर्श और दिशासूचक संकेतों की कमी दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ाती है। यह स्थिति 'समान पहुँच' के संवैधानिक सिद्धांत का सीधा उल्लंघन है। इसके

साथ ही,चिकित्सा उपेक्षा एक गंभीर समस्या के रूप में उभरती है। नियमित स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता और सहायक उपकरणों की समयबद्ध व्यवस्था का अभाव दिव्यांगता को और अधिक कष्टदायक बना देता है। कई मामलों में श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर,छड़ी या अन्य सहायक साधनों की अनुपलब्धता कैदियों को पूरी तरह दूसरों पर निर्भर बना देती है। उपचार में विलंब से न केवल दिव्यांगता की तीव्रता बढ़ती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

संचार संबंधी बाधाएँ इस समस्या को और गहरा कर देती हैं। श्रवणबाधित कैदियों के लिए सांकेतिक भाषा दुभाषियों का न होना,दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल या ऑडियो सामग्री का अभाव और बौद्धिक या मनोसामाजिक दिव्यांगता वाले कैदियों के लिए सरल भाषा में सूचना की कमी—इन सबका परिणाम यह होता है कि वे जेल नियमों, अनुशासनात्मक कार्यवाहियों, कानूनी प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण तंत्र से लगभग कट जाते हैं। यह स्थिति न्याय तक समान पहुँच के अधिकार को कमजोर करती है।

दिव्यांग कैदियों की सामाजिक स्थिति उन्हें और अधिक असुरक्षित बनाती है। भीड़भाड़ वाली बैरकों में वे उपहास, उपेक्षा या हिंसा के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मनोसामाजिक दिव्यांगता वाले कैदियों को अक्सर अनुचित रूप से एकांतवास या कठोर अनुशासनात्मक उपायों का सामना करना पड़ता है, जबकि उनकी स्थिति विशेष देखभाल और उपचार की मांग करती है। इस प्रकार,कारागार का वातावरण उनके लिए दंड से अधिक पीड़ा का स्रोत बन जाता है।

संवैधानिक दृष्टि से यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, अनुच्छेद 21 गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है और अनुच्छेद 39 न्याय तक समान पहुँच को राज्य का दायित्व बनाता है। ये सभी अधिकार जेल की दीवारों के भीतर भी उतने ही प्रभावी हैं। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 'उचित समायोजन' और 'सुलभता' को कानूनी अधिकार के रूप में स्थापित करता है, जबकि संयुक्त राष्ट्र का दिव्यांगजन अधिकार अभिसमय हिरासत में दिव्यांग व्यक्तियों के संरक्षण और समावेशन की स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करता है। इन मानकों की अनदेखी भारत की संवैधानिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं दोनों को कमजोर करती है।

इस पृष्ठभूमि में, भारतीय कारागारों को दिव्यांगता-समावेशी बनाने के लिए व्यापक और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। बुनियादी ढाँचे को सार्वभौमिक डिज़ाइन के सिद्धांतों के अनुरूप ढालना अनिवार्य है, जिसमें रैंप, सुलभ शौचालय,रेलिंग,स्पर्शनीय फर्श और स्पष्ट संकेतक शामिल हों। यह सुधार चरणबद्ध रूप से, मौजूदा जेलों में 'रेट्रोफिटिंग' के माध्यम से किया जा सकता है। इसके साथ ही, प्रवेश के समय दिव्यांगता की अनिवार्य स्क्रीनिंग,आवश्यकताओं का आकलन और डिजिटल पंजीकरण व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, ताकि किसी भी कैदी की आवश्यकता अनदेखी न रह जाए।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। नियमित चिकित्सीय जांच,मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ, सहायक उपकरणों की उपलब्धता और विशेषज्ञों के नियमित दौरे सुनिश्चित किए जाने चाहिए। दूरस्थ जेलों में टेलीमेडिसिन एक प्रभावी समाधान हो सकता है। संचार और कानूनी पहुँच के लिए सांकेतिक भाषा दुभाषिए, ब्रेल और ऑडियो सामग्री, सरल भाषा में नियमावली और ई-मुलाकात व ई-कोर्ट जैसी डिजिटल सुविधाओं में दिव्यांग कैदियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मानव संसाधन विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जेल कर्मियों के लिए अनिवार्य दिव्यांगता-संवेदनशीलता प्रशिक्षण, व्यवहारिक दिशानिर्देश और जवाबदेही तंत्र विकसित किए जाने चाहिए। यह प्रशिक्षण केवल औपचारिक न होकर व्यवहार में संवेदनशीलता और सहानुभूति को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए। इसके अतिरिक्त,जहाँ संभव हो, दिव्यांग कैदियों के लिए वैकल्पिक दंड, चिकित्सीय आधार पर रिहाई या सुधारात्मक उपायों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

अंततः,दिव्यांगता-समावेशी कारागार केवल प्रशासनिक सुधार का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह मानवीय गरिमा, संवैधानिक नैतिकता और न्यायपूर्ण शासन की कसौटी है। सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्देश इस दिशा में एक अवसर प्रदान करते हैं—एक ऐसा अवसर, जिसमें भारतीय कारागार व्यवस्था को दंड-केंद्रित दृष्टिकोण से निकालकर अधिकार-आधारित और सुधारोन्मुख संस्था के रूप में पुनर्परिभाषित किया जा सकता है। यदि इन निर्देशों को ईमानदारी से लागू किया जाए, तो कारागार न केवल कानून के पालन का स्थल होंगे, बल्कि वे उस संवैधानिक आदर्श के सच्चे प्रतिनिधि बन सकेंगे,जिसमें प्रत्येक व्यक्ति—चाहे वह स्वतंत्र हो या हिरासत में—गरिमा और न्याय का अधिकारी है।

सरदार पटेल की 75 वीं पुण्यतिथि 15 दिसम्बर पर विशेष

सरदार पटेल स्मृति दिवस

एकीकृत भारत के निर्माता को नमन

लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव...

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे थे,जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिशों को नाकाम करते हुए बड़ी ही कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के

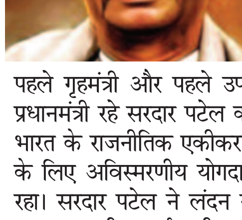

पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारियां जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी,समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी,कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं। एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे वल्लभ भाई के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की यह एकाग्रता और तन्मयता देखकर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया। वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विठ्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विठ्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी।

सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया। इससे खुश होकर दम्पति ने सरदार पटेल को बख्शीश में एक रुपया देने का प्रयास किया लेकिन सरदार पटेल ने अपनी पहचान उजागर न करते हुए विनम्रतापूर्वक लेने से इन्कार कर दिया। अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं। अंग्रेज दम्पत्ति सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान् शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई।

...फिर बहस क्यों और किसलिए...

कृष्ण कुमार निर्माण
शांति नगर,करनाल,हरियाणा

भारतीय लोकतंत्र में संसद ऐसा मंदिर हैं जहाँ जनता के हितों की आरती उतारी जाती है,उन पर अमल किया जाता रहा है।परंतु पिछले दो दशकों से ऐसा नहीं हो रहा है बल्कि जनहित का,जन कल्याण का चीरहरण-सा होता है। वैसे आजकल नया चलन है कि नेता लोग इतिहास में बहुत जाते हैं।या तो अतीत की बातें करके राजनीति को चमकाते/घुमाते हैं या फिर भविष्य के सुनहरे सपने दिखाकर बरगलाते हैं। हैरत की बात यह है कि वर्तमान की बात करना तमाम नेताओं ने छो दिया है।उसका कारण साफ है कि यदि वर्तमान की बात की गई तो फिर हर किसी के परखचे उड़ सकते हैं, इनके भी उनके भी क्योंकि वर्तमान की बात करने पर जबाबदेही होगी,जो कोई करना नहीं चाहता। राजनीति में जबाबदेही दोनों को उतनी ही बनती है--सत्ता पक्ष की भी और विपक्ष की भी,कम-ज्यादा किसी की नहीं क्योंकि सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी वायदे पूरे करने की है,जो सपने दिखाए,उन्हें साकार करने की है तो वहीं विपक्ष की जिम्मेदारी है कि जनता की बुलंद आवाज बनें।दूसरी तरफ यदि अतीत की बात करते हैं तो आरोप लगाना बेहद सरल कार्य है,यही कार्य किया जा रहा है क्योंकि इससे राजनीति सरलता-सहजता से चमकती है।

खैर,यह सब राजनेताओं का काम है,वो इससे किसी भी कीमत पर बाज नहीं आएंगे क्योंकि उन्हें तो राजनीति करनी है पर दुर्भाग्य यह है कि जनता भी नहीं समझती और तो और जनता को भी अब इन्हीं बातों में रस आने लगा है। पता नहीं क्यों.. जनता भी वर्तमान को नहीं देखना चाह रही और जनता भी इसी बात में खुश है कि देखो! अतीत में यह हुआ और भविष्य में ऐसा हो जाएगा? निःसंदेह यह मानव की स्वाभाविक प्रवृति है,कोई भी मनुष्य इससे बच नहीं सकता? लेकिन तमाम चिंतनशील व्यक्ति बताते हैं कि किसी भी आदमी को अतीत से सबक लेकर वर्तमान को सुखमय करने की ज्यादा जरूरत है,जिससे निःसंदेह भविष्य स्वर्णिम होगा लेकिन यह बात जानते सभी हैं, राजनेता भी जानते हैं मगर मानता कोई भी नहीं, राजनेता भी नहीं मानते? इसी दौड़ में देश का मीडिया भी शामिल हो गया है। उसे भी अपनी जिम्मेदारी का अब एहसास नहीं रहा,पता नहीं क्यों,मीडिया का एक बड़ा तबका भी इसी बहाव में बह रहा है और खुद को बहुत बड़ा दिखाने का प्रयास कर रहा है। सोशल मीडिया का भी लगभग यही हाल हो चुका है मगर फिर भी सोशल मीडिया पर कुछ बचा है,जो हकीकत से बावस्ता है और आवाज उठा रहा है। खैर,ज्यादा इतिहास में जाने की जरूरत नहीं है। हम मात्र हाल की दो बातों का जिक्र यहाँ सीधे तौर पर करना चाहते हैं,जिससे साफ हो जाएगा कि आखिर हम कहाँ जा रहे हैं? जारी शीतकालीन संसद सत्र में दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। जिनमें से एक मुद्दा तो देश के नागरिकों के दिल का मुद्दा था और है भी मगर दोनों मुद्दों पर चर्चा हो जाने के बाद वह कहावत सिद्ध हो गई कि खोदा पहाड़ और निकली चुहिया...।

फाइल का धर्म

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

हमारे मोहल्ले में एक दफ्तर है। दफ्तर नहीं,आस्था-स्थल है। वहाँ लोग माथा टेकने नहीं, आवेदन देने आते हैं। प्रवेश द्वार पर लिखा है...
यहाँ काम नियम से होता है।

अंदर जाकर समझ में आता है कि नियम बहुत धार्मिक होते हैं...कभी प्रकट नहीं होते, पर सब उनसे डरते हैं।

मैं भी एक दिन वहाँ गया। काम छोटा था...बस प्रमाण चाहिए था कि मैं जीवित हूँ। क्लर्क ने मुझे ऊपर से नीचे देखा,जैसे यह तय कर रहा हो कि मैं जीवित होने लायक हूँ भी या नहीं। फिर बोला,फाइल लाइए।
मैंने कहा,फाइल तो बनवानी है।
वह मुस्कराया। यह मुस्कान नहीं थी, सरकारी आश्वासन था। बोला,

पहले फाइल बनेगी,फिर चलेगी, फिर रुकेगी,फिर खो जाएगी,फिर मिल जाएगी—तब काम होगा।

फाइल बनी। उसमें कागज़ ऐसे सजे थे जैसे विवाह में रिश्तेदार—कोई दूर का,कोई बिना बुलाए। एक कागज़ पर मेरी उम्र लिखी थी,दूसरे पर मेरी उम्र से असहमति जताई गई थी। क्लर्क ने कहा,देखिए,विभाग में मतभेद लोकतंत्र की निशानी है।
फाइल ऊपर गई। ऊपर बैठे अधिकारी को मैंने नहीं देखा,केवल उनकी कुर्सी देखी। कुर्सी बहुत अनुभवी लग रही थी। उस पर बैठने वाला कोई भी व्यक्ति तुरंत गंभीर हो जाता है।
अधिकारी ने पूछा...इस पर टिप्पणी किसने नहीं की?

क्लर्क बोला...अभी सबने नहीं की है, सर।
अधिकारी नाराज़ हो गया,तो पहले सबसे कराइए। बिना टिप्पणी के फाइल अनाथ हो जाती है।
टिप्पणी होने लगी। हर आदमी ने लिखा...देखा जाए।
यह शब्द विभाग में बहुत शक्तिशाली है। इससे काम तुरंत न होता है, पर आशा बनी रहती है।

तीन महीने बाद मुझे सूचना मिली कि मेरा प्रमाण बन गया है। मैं खुशी-खुशी पहुँचा। क्लर्क ने फाइल खोली, फिर चौंका।
अरे,आप तो इस बीच सेवानिवृत्त हो गए। मैंने कहा, किस चीज़ से? बोला, जीवित रहने से।
मैं समझ गया...दफ्तर में समय चलता है, आदमी नहीं। यहाँ फाइलें अमर होती हैं, नागरिक नश्वर।
मैं बाहर आया। बोर्ड अभी भी चमक रहा था... यहाँ काम नियम से होता है।
मैंने सिर हिलाया। सही लिखा है।
यहाँ काम नहीं होता—नियम होते हैं।

नियम-कानूनों की घातक अनदेखी,हर घटना के बाद सख्ती दिखाने की होती है कोशिश

संजय गुप्त

गोवा के एक नाइट क्लब में आग लगने की घटना ने सार्वजनिक और निजी इमारतों में सुरक्षा की अनदेखी को उजागर किया है। यह पहली बार नहीं है जब आग लगने से लोगों की जान गई है। घटना के बाद कार्रवाई होती है, लेकिन अनदेखी के लिए जिम्मेदार अधिकारी बच जाते हैं। नाइट क्लब बिना लाइसेंस के चल रहा था और सुरक्षा के उपाय भी नहीं थे। अवैध निर्माण में अधिकारियों की मिलीभगत होती है, जिससे सुरक्षा उपायों की अनदेखी होती है। गोवा के एक नाइट क्लब में लगी आग ने एक बार फिर सार्वजनिक एवं निजी इमारतों

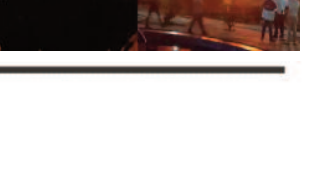

समेत हर जगह सुरक्षा की अनदेखी की पोल खोलकर रख दी। यह पहली बार नहीं है, जब किसी इमारत में आग लगने से लोगों की जानें गई हों। देश में रह-रह कर ऐसी घटनाएं होती ही रहती हैं और बड़ी संख्या में लोग उनमें मरते भी रहते हैं। ऐसी हर घटना के बाद सुरक्षा संबंधी कमियां बड़े पैमाने पर उजागर होती हैं। गोवा नाइट क्लब के मामले में भी उजागर हो रही हैं।उन्हें गिनाते हुए नाइट क्लब पर बुलडोजर चला दिया गया और उसके संचालकों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह की कार्रवाई करते हुए यही संदेश देने की कोशिश की जाती है कि शासन-प्रशासन सख्त है और वह ऐसी कार्रवाई कर रहा हो,जो नजीर बनेगी।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

प्रतापपुर-राजपुर मार्ग बना भ्रष्टाचार का रास्ता

सरकारी धन की खुली लूट...84 करोड रुपए की बन रही 28 किलोमीटर सड़क निर्माण चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट अब तक 5 वर्षों में भी नहीं हो पाई पूरी

-सोनू कश्यप-

प्रतापपुर, 14 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर से राजपुर मार्ग पर चल रहे पी डब्लू डी विभाग का सड़क और नाली निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। सरकारी फंड से करोड़ों रुपये की लागत से बन रही यह परियोजना अब भ्रष्टाचार,लापरवाही और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का प्रतीक बनती जा रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है जिससे पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे

भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश तायल ने इस सड़क मार्ग पर हो रहे निर्माण कार्य पर प्रश्न चिन्ह लगाया है और बताया कि सड़क अभी पूरी तरह से बनकर तैयार भी नहीं हुई और 5 वर्षों से बन रही है सड़क मगर बनते के साथ उखाड़ना सड़क की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रहे हैं और बीच-बीच में पेश रिपेयरिंग का कार्य भी चल रहा है जिससे अनुमान लगाया जा सकता है की 84 करोड रुपए की प्रतापपुर से राजपुर सड़क निर्माण की स्थिति क्या है। जहां अधिकारी भी इस मामले में मौन धारण कर किए हुए हैं। इस सड़क में मोटा ढलाई कंक्रीट सड़क का निर्माण हुआ है उसके डामरीकरण का भी काम। चल रहा है इसके बावजूद भी सड़क निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हो पाया है और जगह-जगह सड़क दब गया है और टूट गया है। विभागीय अधिकारी या इंजीनियर साइट पर मौजूद नहीं होते। इससे यह स्पष्ट होता है कि कार्य को छुपाने और नियमों को ताक पर रखकर पूरा किया जा रहा है। जिसके वजह से ठेकेदार अपनी मनमानी पर उतारू है। पीडब्लूडी के नियमानुसार, हर निर्माण स्थल पर तकनीकी निरीक्षण, कार्य डायरी, गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण और इंजीनियर की उपस्थिति अनिवार्य होती है, लेकिन यहां इन सभी नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

मानकों की अनदेखी: कमजोर ढांचा भविष्य के लिए खतरा

प्रत्यक्षदर्शियों और निर्माण से जुड़े स्थानीय तकनीकी जानकारों ने जिन गड़बड़ियों की ओर इशारा किया है,वे अत्यंत गंभीर हैं जिससे संरचना की मजबूती संदिग्ध हो चुकी है। सरिया का उपयोग न के बराबर किया गया है, और जहां किया गया है, वहां उसका अंतर स्पेस मानकों से अधिक है। कंक्रीट मिश्रण का अनुपात असंतुलित है, जिससे पूरी नाली की उम्र और टिकाऊपन पर सवाल उठता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के निर्माण के कारण कुछ ही महीनों में नालियों का क्षरण शुरू हो सकता है, जिससे सड़क के किनारे जलभराव, गड्ढे और दुर्घटनाएं आम हो जाएंगी।

छोटी पुलिया का कार्य अब तक शुरू नहीं, जलनिकासी का संकट तय

राजपुर रोड के कई हिस्सों पर प्रस्तावित छोटी पुलिया का कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है। जबकि यह पुलिया जलनिकासी और सड़क की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक थीं। बिना इन पुलियों के वर्षा जल नालियों में समुचित रूप से नहीं बह पाएगा सड़क किनारे कटाव और धंसाव की समस्या बढ़ेगी भारी बारिश के दौरान जलभराव से आमजन को भारी परेशानी और दुर्घटनाओं का खतरा रहेगा।

तीन-चार सालों से जारी निर्माण, अब तक अधूरा : स्थानीय लोगों ने बताया कि यह निर्माण कार्य पिछले चार पांच वर्षों से चल रहा है, लेकिन आज तक न पूर्णता की कोई उम्मीद दिख रही है और न ही निर्माण की गुणवत्ता में कोई सुधार। यह इस बात का प्रमाण है कि या तो कार्य में जानबूझकर देरी की जा रही है या फिर भ्रष्टाचार के चलते प्रगति की गति थम गई है।

स्थानीय जनता में आक्रोश,उच्च स्तरीय जांच की मांग

इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपनी नाराजगी जताई है। उन्होंने जिला प्रशासन और शासन से मांग की है कि: इस पूरे निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट करवाई जाए।

घटिया निर्माण : ठेकेदार,सुपरवाइजर और विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई हो विभागीय पुनर्मूल्यांकन कराया जाए...

प्रतापपुर से राजपुर तक हो रहे इस निर्माण कार्य ने यह दिखा दिया है कि भ्रष्टाचार सिर्फ धन का अपव्यय नहीं, बल्कि आम नागरिक की सुरक्षा और भविष्य से भी खिलवाड़ है। यदि समय रहते इस पर कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो यह जनता के पैसे की बर्बादी के साथ-साथ एक बड़ा प्रशासनिक मॉकरी बन जाएगा। इस विषय में एसडीएम ललिता भगत ने कहा कि विभागीय अधिकारियों से जवाब तलब की जाएगी और जांच की आदेश दिए जाएंगे,गुणवत्ता सही नहीं रहने पर जांच कार्यवाही करने के लिए निर्देशित करती हूं।

देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़...पुलिस की सतर्कता से संगठित नेटवर्क उजागर

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 14 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। शहर में अनैतिक देह व्यापार के खिलाफ पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। आकाशवाणी चौक के पास संचालित हो रहे देह व्यापार के एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने पति-पत्नी समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई न केवल पुलिस की सतर्कता को दर्शाती है, बल्कि शहर में लंबे समय से फल-फूल रहे इस अवैध कारोबार की गंभीरता को भी उजागर करती है। मामले की शुरुआत 10 नवंबर को हुई, जब महिला थाना पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि आकाशवाणी चौक के पास स्थित एक मकान में युवतियों से जबरन वेश्यावृत्ति कराई जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल छापा मारा। कार्रवाई के दौरान एक महिला को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने महिला के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम

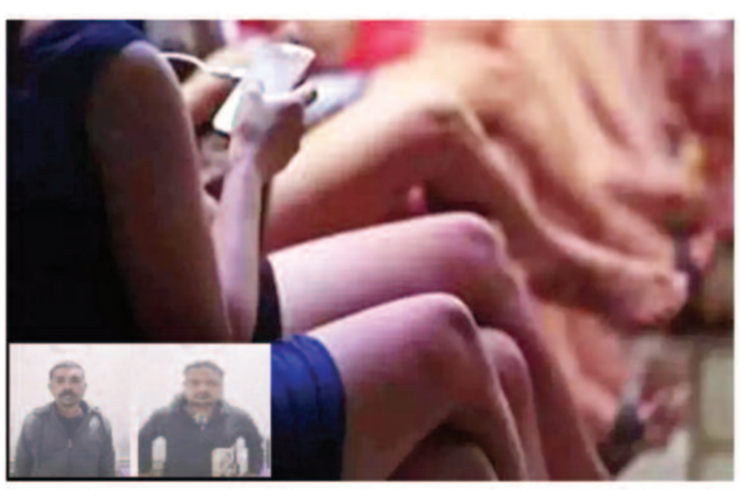

1956 की धारा 3,4,5 और 7 के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। पूछताछ के दौरान महिला ने खुलासा किया कि इस अवैध धंधे में उसका पति, एक युवती और एक युवक भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। इसके बाद पुलिस लगातार फरार आरोपियों की तलाश में जुटी रही। शनिवार को पुलिस को बड़ी सफलता मिली,जब तीनों आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में मायापुर निवासी सुनील कुमार (40 वर्ष), जो पहले से जेल भेजी गई महिला का पति है, दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम तेलसखरिया निवासी हेमंत दास (33 वर्ष) और एक अन्य युवती शामिल हैं। पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान तीनों ने अपने अपराध को स्वीकार किया। इसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह पूरी तरह से सुनियोजित तरीके से काम कर रहा था।

पति इस धंधे के संचालन में सहयोग करता था, युवती ग्राहकों की तलाश करती थी, जबकि युवक लड़कियों को ग्राहकों तक पहुंचाने का काम करता था। इस तरह से शहर के रिहायशी इलाके में लंबे समय से अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई से शहर में सक्रिय देह व्यापार के नेटवर्क पर करारा प्रहार हुआ है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि इस गिरोह के तार किसी अन्य शहर या बड़े नेटवर्क से जुड़े हैं या नहीं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के अवैध कारोबार के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा, ताकि शहर में कानून-व्यवस्था और सामाजिक माहौल को सुरक्षित रखा जा सके।

सरगुजा में सडक़ दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 14 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट के आधार पर सरगुजा जिले के 10 ब्लैक स्पॉट (दुर्घटनाजन्य क्षेत्र) का चयन किया गया। इन स्थानों पर सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सरगुजा पुलिस, राष्ट्रीय राज्यमार्ग प्राधिकारी और लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया। ब्लैक स्पॉट में जिसमें लुचकी के घाट काली मंदिर के निकट से रघुकुल फियुल्स,लुंड्रा चौक से पूनम फियुल्स, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बतौली से सम्राट पेट्रोल पम्प, बनारस रोड तरणताल से बाबरा पेट्रोल पम्प, रिंग रोड बिलासपुर चौक से आदित्य ज्योति होटल के निकट,रिंग रोड आकाशवाणी चौक से विशाल मेगा मार्ट, बनारस रोड पीजी कॉलेज ग्राउंड से मिश्रा स्विट्स,रिंग रोड चांदनी चौक से शहीद चौक, नवापारा चौक से संगवारी स्वास्थ्य केंद्र, विश्वास मेडिकल बतौली से पंचायत भवन शामिल है। इन स्थानों पर सडक़ दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विभिन्न सुधारात्मक उपायों की आवश्यकता है, जिनमें रिफ्लेक्टर, रंबल स्ट्रिप, रेडियम बोर्ड, रोड लाइट और दुर्घटना से चेतावनी देने वाले बोर्ड शामिल हैं। इन सुधारों को लागू करने के लिए विभाग प्रमुख शासन को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इस निरीक्षण में सरगुजा पुलिस से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, यातायात प्रभारी विजय कैवर्त्य, राष्ट्रीय राज्यमार्ग प्राधिकरण एवं लोक निर्माण विभाग से निखिल लकड़ा, गौतम नरवरिया, नवीन सिन्हे, एनएस ध्रुव, और बसंत खाखा शामिल हुए।

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 14 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में 15 और 16 दिसंबर को क्वांटम-2025 नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर द्वारा किया जा रहा है, जो राज्य गठन की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित हो रहा है। सम्मेलन का विषय है इन्नोवेटिव टेक्निक्स इन इंजीनियरिंग,टेक्नोलॉजी एंड साइंस ए प्रैक्टिकल एप्रोच। सम्मेलन के मुख्य अतिथि होंगे प्रोफेसर एनके समाधिया, जो भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान (आईआईटी),रुडक़ी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख हैं,जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अरुण अरोरा,कुलपति,छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दीपक कुमार झा आईजी, एवं विशिष्ठ अतिथि प्रोफेसर एसके श्रीवास्तव,प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, लखनपुर डॉ राजेश श्रीवास्तव,प्राचार्य श्री साईं बाबा आदर्श महाविद्यालय,डॉ पी कविश्वर,महानिदेशक,छत्तीसगढ़ विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राम नारायण खरे, प्राचार्य शामिल होंगे। संस्था के प्राचार्य ने बताया कि इस सम्मेलन में 70 शोध पत्रों की प्रस्तुति होगी, और पोस्टर प्रेजेंटेशन भी किया जाएगा। तीन सत्रों में शोध पत्रों की प्रस्तुति की जाएगी,जिसमें उन्नत संरचनात्मक अभियांत्रिकी, ऊर्जा प्रणाली,मशीन लर्निंग,साइबर सिक्योरिटी, जैव विविधता संरक्षण और अन्य तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य नए विचारों और शोध को साझा करना है, ताकि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति हो सके। सम्मेलन में पीएचडी और एमटेक के छात्र, युवा वैज्ञानिक, और शोधकर्ता भाग लेंगे,जिनका उद्देश्य नवीनतम तकनीकों और शोध से अवगत होना है। इसके अलावा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति की जाएगी, जो कार्यक्रम को और भी आकर्षक बनाएगी।

दृष्टि बाधित विद्यार्थियों के लिए सुखद अनुभूति से भरा रामगढ़ और सैनिक स्कूल का शैक्षणिक भ्रमण

रामगढ़ की पावन हवा,वृक्षों की सरसराहट,बहते जल की मधुर ध्वनि,शीतल समीर और पक्षियों के मधुर कलरव एवं भगवान 'राम' की उपस्थिति को आत्मिक रूप से महसूस किया...

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 14 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। कलेक्टर विलास भोसकर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आज मानव जीवन ज्योति दृष्टि बाधित विद्यालय, बतौली के दिव्यांग विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं भ्रमणात्मक यात्रा पर उदयपुर स्थित रामगढ़ पर्यटन केंद्र ले जाया गया। बच्चों को बस के माध्यम से सुरक्षित रूप से भ्रमण कराया गया। रामगढ़ पहुंचकर विद्यार्थियों को वहां स्थित विभिन्न पर्यटन स्थलों का परिचय कराया गया। भले ही दृष्टि बाधित बच्चे भगवान राम को नेत्रों से नहीं देख सके,लेकिन रामगढ़ की पावन हवा,वृक्षों की सरसराहट,बहते जल की मधुर ध्वनि,शीतल समीर और पक्षियों के मधुर कलरव में उन्होंने भगवान 'राम' की उपस्थिति को आत्मिक रूप से महसूस किया। यह अनुभव बच्चों के लिए भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से अत्यंत प्रेरक रहा। भ्रमण के दौरान बच्चों के लिए खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों से बच्चों के आत्मविश्वास, आनंद और सामाजिक सहभागिता की वृद्धि होगी। इसके पश्चात विद्यार्थियों को सैनिक स्कूल अम्बिकापुर का भ्रमण कराया गया। यहां बच्चों को सैन्य अनुशासन,परिसर की जानकारी दी गई तथा टैंक और तोप जैसे सैन्य संसाधनों को स्पर्श कर उनके बारे में बताया गया, जिससे बच्चों में देशभक्ति और साहस की भावना विकसित हुई। समस्त भ्रमण कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों को सुरक्षित रूप से विद्यालय वापस छोड़ा गया। इस अवसर पर उप संचालक समाज कल्याण श्री व्ही.के. उके सहित विद्यालय एवं संबंधित कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने इस मानवीय और संवेदनशील पहल के लिए जिला प्रशासन एवं कलेक्टर श्री विलास भोसकर के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्रिसमस से पूर्व मसीही समाज द्वारा निकाली गई रैली

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 14 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। क्रिसमस से पूर्व मसीही समाज द्वारा रविवार को शहर में रैली निकाली गई। ऑल चर्चेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मसीही समाज के लोग शामिल हुए। विशेष कर युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। महा गिरिजा घर से रैली निकाली गई। जो शहर के विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए संत जेवियर स्कूल के कैंपस में पहुंची। जहां देर रात तक सांस्कृतिक कार्यक्रम होती रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विशप डॉ.अंतोनिस बड़ा, फादर विलियम उर्रे सहित अन्य शामिल रहे।

युवती की फांसी पर लटकी मिली लाश,जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 14 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। शहर से लगे खलिबा जंगल में रविवार की सुबह एक 19 वर्षीय युवती की पेड़ पर लटकती लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की। युवती के परिजनों को भी पुलिस ने सूचना दी। पता चला कि युवती अपने ससुराल से भागकर अंबिकापुर में ही किराए के मकान में रह रही थी। शहर से लगे ग्राम खलिबा जंगल में रविवार की सुबह करीब 9 बजे एक युवती की पेड़ पर लटकी लाश मिली। ग्रामीणों ने शव देख सरपंच को सूचना दी। सरपंच की सूचना पर गांधीनगर टीआई प्रदीप जायसवाल अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरु की। युवती के शव के नीचे उसका बैग और मोबाइल पड़ा हुआ था। पुलिस ने बैग की तलाशी ली तो उसमें युवती का आधार कार्ड तथा एक युवक का फोटो मिला। आधार कार्ड के आधार पर युवती की पहचान सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जामडीह, देवगढ़ निवासी निशा पिता स्व. बालमुकुंद के रूप में हुई।

सरगुजा संभाग से करीब 500 युवा वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में हुए शामिल

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 14 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में सरगुजा संभाग से करीब 500 युवाओं ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली में अपनी सहभागिता दी। 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में कांग्रेस द्वारा आखिल भारतीय स्तर की इस रैली का आयोजन किया गया था। इस सफल रैली में शामिल होने के लिए 12 दिसंबर से ही सरगुजा से कांग्रेस, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस,एन एस यू आई के कार्यकर्ता ट्रेन, बस एवं अन्य माध्यमों से दिल्ली रवाना हो गए थे।

CMYK

सरगुजा संभाग में जच्चा-बच्चा की जान जोखिम में
4 गर्भवती महिलाओं व नवजात की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 14 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति गंभीर हो गई है। हाल ही में कोरिया जिले के एक और महिला की प्रसव के दौरान मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और प्रबंधन की लापरवाही की स्थिति उजागर हो रही है। 26 वर्षीय सविता,जो कोरिया जिले के पटना थाना क्षेत्र के ग्राम झिटकीपारा की निवासी थीं को प्रसव पीड़ा के बाद 13 दिसंबर को कोरिया जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया और परिजनों को बैकुंठपुर के निजी अस्पताल में ले जाने के लिए कहा। यहां सविता ने एक मृत बच्ची को जन्म दिया, लेकिन इसके बाद उसकी हालत बिगडने् लगी और रक्तस्राव बंद नहीं हो रहा था। निजी अस्पताल के डॉक्टर ने उसे जल्द से जल्द रेफर किया और सविता को अंबिकापुर स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। दुर्भाग्यवश,अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब पिछले एक सप्ताह में चार गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से अधिकांश मौतें उस वक्त हुई जब इन महिलाओं को समय पर समुचित इलाज नहीं मिल सका और उन्हें रेफर किए जाने के बावजूद अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी जान चली गई। यह स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी विफलता को दर्शाती है, जबकि राज्य सरकार ने सुरक्षित प्रसव के लिए कई कदम उठाए हैं। इन घटनाओं को लेकर क्षेत्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। उनके क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर लोगों में गहरा आक्रोश है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय पर इलाज उपलब्ध होता तो इन मौतों को टाला जा सकता था। सरगुजा संभाग में जच्चा-बच्चा की मौत की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन इस बार यह अधिक चिंताजनक है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़ी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण ऐसी मौतें हो रही हैं, और अगर सरकार ने इस पर ठोस कदम नहीं उठाए तो यह समस्या और बढ़ सकती है। अब यह देखना होगा कि प्रशासन और सरकार इस गंभीर मुद्दे पर कब तक कार्रवाई करते हैं और क्या वे महिलाओं और बच्चों की जान की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय लागू करेंगे।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार 2 युवकों को रौंदा,सिर पर पहिया चढने से दोनों की मौत

-संवाददाता-
सूरजपुर, 14 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

भटगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लक्ष्मीपुर में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। रविवार की दोपहर तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार 2 युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों सडक़ पर जा गिरे, इस दौरान ट्रेलर का पहिया एक युवक के सिर पर चढ़ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दूसरे युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इधर टक्कर मारने के बाद चालक ट्रेलर लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आगे की प्रक्रिया पूरी की। सूरजपुर जिले के ग्राम अरसोता कमलापुर निवासी विक्की राजवाड़े पिता खुलेश्वर व ओडग़ी थाना क्षेत्र के ग्राम खर्रा निवासी शिवमंगल राजवाड़े पिता कन्हैया रविवार की दोपहर बाइक पर सवार होकर भटगांव से बिश्रामपुर की ओर जा रहे थे। दोनों दोपहर करीब 12 बजे ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित संकरी पुलिया के ऊपर पहुंचे ही थे कि सामने से तेज रफ्तार में आ रहे अज्ञात ट्रेलर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सिर के बल सडक़ पर जा गिरे। इसी बीच ट्रेलर का पहिया विक्की राजवाड़े के सिर पर चढ़ गया, इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल शिवमंगल को अंबिकापुर अस्पताल ले जाया जा रहा था। इसी बीच रास्ते में ही उसकी भी मौत हो गई।

ट्रेलर चालक फरार, पहुंची पुलिस : हादसे के बाद ट्रेलर का चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। इधर सूचना मिलते ही भटगांव पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की। पुलिस ने पीएम पश्चात युवकों का शव उनके परिजन को सौंप दिया है। पुलिस अपराध दर्ज कर अज्ञात ढेलर की खोजबीन में जुट गई है। युवकों की मौत से उनके परिजन में मातम पसरा हुआ है।

सैला में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने युवाओं को एडवेंचर टूरिज्म से जोड़ा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 14 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा रविवार को सैला में इनफिनिटी रीडर्स क्लब के सहयोग से एक विशेष पर्यटन एवं एडवेंचर गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को साहसिक पर्यटन से जोड़ते हुए छत्तीसगढ़ की एडवेंचर टूरिज्म संभावनाओं को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने ऑफ-रोड राइडिंग, ऑन-रोड राइडिंग, एटीवी राइड तथा पैरामोटर राइड जैसी रोमांचक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। इनफिनिटी रीडर्स क्लब के अनुभवी राइडर्स ने पूरे उत्साह के साथ आयोजन में भाग लिया और सुरक्षित राइडिंग के साथ एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। इस अवसर पर सैला क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और एडवेंचर गतिविधियों के लिए उपलब्ध अनुकूल वातावरण की सभी प्रतिभागियों ने सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर सभी राइडर्स को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह और अधिक बढ़ा।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि रजत जयंती वर्ष के अंतर्गत इस प्रकार के आयोजन युवाओं एवं एडवेंचर प्रेमियों को छत्तीसगढ़ पर्यटन से जोडने् की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। भविष्य में भी विभिन्न राइडिंग क्लबों एवं संगठनों के साथ मिलकर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कटघोरा में चंगाई सभा को लेकर विवाद...
हिंदू संगठन और ईसाई समुदाय आमने-सामने

-संवाददाता-
कटघोरा, 14 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र में रविवार को चंगाई सभा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सुतर्रा गांव में आयोजित चंगाई सभा की शिकायत के बाद ग्रामीणों,हिंदू संगठनों और ईसाई समुदाय के लोगों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। मामले ने उस समय तूल पकड़ लिया, जब दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मौके पर जमकर हंगामा हुआ। स्थिति बिगड़ती देख दोनों पक्ष कटघोरा थाना पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। हिंदू संगठनों का आरोप है कि विवादित पास्टर बजरंग जायसवाल इससे पहले भी कटघोरा क्षेत्र में चंगाई सभा आयोजित कर चुके हैं। उस दौरान हुए विरोध और हंगामे के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी और उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। संगठनों का कहना है कि इसके बावजूद वे अपनी गतिविधियों से बाज नहीं आ रहे हैं। अब कटघोरा छोड़कर सुतर्रा गांव में इसी तरह की सभा आयोजित कर रहे थे। हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि चंगाई सभा के माध्यम से ग्रामीणों को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना है कि सभा में यह दावा किया जाता है कि गंभीर बीमारियों,कैंसर,संतान न होने जैसी समस्याओं का इलाज चंगाई से संभव है। इन दावों के जरिए ग्रामीणों को प्रभावित किया जा रहा है, जिसे लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। हिंदू संगठनों के एक सदस्य ने बताया कि जब वे मौके पर पहुंचे तो पास्टर बजरंग जायसवाल के साथ बाहर से भी कुछ लोग आए हुए थे,जिनमें महिलाओं की संख्या भी अधिक थी। उनका आरोप है कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई जा रही है। इसी को लेकर संगठन के लोग थाने पहुंचे और कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। दूसरी ओर,ईसाई समुदाय के लोगों का कहना है कि सभा शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित की जा रही थी और अनावश्यक रूप से विवाद खड़ा किया गया। दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच स्थिति काफी देर तक तनावपूर्ण बनी रही। कटघोरा थाना पहुंचने के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की शिकायत मिली है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। इस दौरान हिंदू महासभा, भारतीय जनता पार्टी, गौ सेवा संगठन और बजरंग दल से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता थाने में मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने सभी से शांति बनाए रखने की अपील की है और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने को कहा है। मामले को लेकर क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्कता बरत रही है।

उत्साहपूर्ण वातावरण में नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा संपन्न

-संवाददाता-
एमसीबी, 14 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु आयोजित चयन परीक्षा रविवार को उत्साहपूर्ण, शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। ठंड के मौसम की परवाह किए बिना ग्रामीण एवं शहरी अंचलों से बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को परीक्षा केंद्रों तक लेकर पहुंचे, जिससे परीक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता और रुचि स्पष्ट रूप से देखने को मिली। परीक्षा आयोजन के लिए जिले में कुल 11 केंद्र स्थापित किए गए थे। इनमें भरतपुर विकासखंड में 4, खड़गवां विकासखंड में 4 तथा मनेन्द्रगढ़ विकासखंड में 3 परीक्षा केंद्र शामिल थे। सभी केंद्रों पर प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षा के दौरान सुरक्षा, अनुशासन तथा समय-प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई।

राजस्व के भुइया पोर्टल अभिलेख में छेड़छाड़ करने वाले आरोपी के साथ हल्का पटवारी भी आया लपेटे में,पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-
बलरामपुर, 14 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले के पस्ता थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आरोपी ने हल्का पटवारी से मिली भगत कर शासकीय एवं निजी भूमि 29.008.हेक्टेयर षड्यंत्र पूर्वक कूटरचित करते हुए भुइंया पोर्टल के राजस्व अभिलेख में छेड़ छाड़ कर अपने व अपने परिवार वालों के नाम कर धान बिक्री करने वाले आरोपी व पटवारी पर शिकायत उपरांत जांचोपरांत प्रमाणित पाय जाने पर अप.क्र. - 45/2025 धारा 318, 319, 336, 338, 340, 61 भा.न्या.सं के तहत कार्यवाही कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। फर्जी तरीके से धान बेचने के लिए की गई थी छेड़छाड़। बताना लाजमी होगा कि आरोपीयो के द्वारा कुल रकबा 29.008 हेक्टेयर की शासकीय भूमि एवं निजी भूमि को हल्का पटवारी अजेंद्र टोप्पो एवं वीरेंद्र गुप्ता के द्वारा छलपूर्वक षड्यंत्र कूटरचित करते हुए भुईयां पोर्टल के राजस्व अभिलेख में छेड़छाड़ कर धान बिक्री हेतु वीरेंद्र गुप्ता ने अपने एवं परिवार के सदस्यों का नाम हल्का पटवारी के आईडी से फर्जी तरीके से दर्ज कराया गया था। पुलिस को संबंधी शिकायत पर जांचोंपरांत प्रमाणित पाए जाने से उक्तआरोपियों के विरुद्ध सदर धारा का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। रिपोर्ट पर तत्काल संज्ञान लेकर लेकर की गई कार्यवाही । प्रार्थी की रिपोर्ट पर चौकी डवरा में अप0क्र0 45/2025,धारा 318,319, 336,338,340,61 भा.न्या.सं. दर्ज कर मामले के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर प्रकरण की विवेचना शुरू की गई। विवेचना दौरान प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए चंद घंटे के भीतर टीम गठित कर आरोपी 1. वीरेंद्र गुप्ता पिता विजय गुप्ता उम्र 28 वर्ष साकिन कोटडीह हा.मु. को दौरा चौकी डवरा थाना पस्ता 2. अजेंद्र टोप्पो पिता जग साय टोप्पो उम्र 46 वर्ष साकिन जमुनिया थाना राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज (छत्तीसगढ़) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

व्यापार समाचार

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंपनियों का मार्केट कैप 79,129 करोड़ घटा
रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले,एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारती एयरटेल तीसरे स्थान पर रही...

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर 2025। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 79,129 करोड़ रुपये घट गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक,भारती एयरटेल, टीसीएस,आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक,इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी के एमकैप में सप्ताह के दौरान वृद्धि हुई है जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी का सम्मिलित एमकैप 25,345 करोड़ रुपये बढ़ गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस,आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक,इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में कमी आई। सबसे ज्यादा नुकसान बजाज फाइनेंस को हुआ,जिसका एमकैप 19,290 करोड़ रुपये घट गया। इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्य 18,516 करोड़ रुपये कम हुआ। भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक के एमकैप में क्रमशः 13,885 करोड़ और 7,846 करोड़ रुपये की गिरावट रही। आईटी कंपनियों में इंफोसिस का एमकैप 7,146 करोड़ और टीसीएस का 6,784 करोड़ रुपये घटा। एचडीएफसी बैंक और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में क्रमशः 4,461 करोड़ और 1,202 करोड़ रुपये की कमी दर्ज हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी दो ऐसी कंपनियां रहीं,जिनका एमकैप बढ़ा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 20,434 करोड़ रुपये बढ़कर 21,05,653 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एलएंडटी का एमकैप 4,911 करोड़ रुपये बढ़ा। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले,एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारती एयरटेल तीसरे स्थान पर बनी रही। यह स्थिति दर्शाती है कि ऊर्जा और निर्माण क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बनी हुई है।

मर्सिडीज-बेंज की नई सीएलए कार को मिली 5-स्टार रेटिंग

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर 2025। हाल ही में यूरो एनकैप की सेफ्टी टेस्टिंग में मर्सिडीज-बेंज की नई सीएलए कार ने धाकड़ प्रदर्शन करते हुए 5-स्टार रेटिंग हासिल कर ली है। मर्सिडीज सीएलए ने अपनी सुरक्षा के हर अहम पहलू में जबरदस्त स्कोर प्राप्त किए हैं। इस साल की आखिरी टेस्टिंग राउंड में यह अपने सेगमेंट की टॉप-रेटिंग कारों में शामिल हो गई है। यह टेस्ट यूरोप की सबसे भरोसेमंद सुरक्षा एजेंसी यूरो एनकैप द्वारा किया जाता है जो ये जांचता है कि किसी गाड़ी में सवार इंसानों और सड़क पर चलने वाले लोगों की सुरक्षा कितनी बेहतर है। टेस्टिंग से पता चला कि मर्सिडीज

सीएलए ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में दमदार 94 पर्सेंट स्कोर हासिल किया। यानी आगे और पीछे बैठे यात्रियों की सेफ्टी के लिहाज से यह बेहद मजबूत कार है। दूसरी ओर बच्चों की सेफ्टी के मामले में भी सीएलए ने 89 पर्सेंट स्कोर हासिल किए। खास बात यह है कि कार का सिस्टम अपने-आप समझ लेता है कि चाइल्ड सेफ्टी सीट लगी है या नहीं।

मेक्सिको में टैरिफ बढ़ने से भारत के ऑटो निर्यात पर पड़ेगा असर,कंपनियों के वॉल्यूम और मार्जिन पर खतरा

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर 2025। मेक्सिको की सीनेट ने राष्ट्रीय उद्योग और उत्पादकों की रक्षा के लिए टैरिफ पैकेज को मंजूरी दी है। यह टैरिफ पैकेज 1 जनवरी 2026 से लागू होगा। भारत और चीन सहित एशियाई देशों के चुनिंदा उत्पादों पर वर्ष 2026 से 50 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगेगा। इसके तहत ऑटो, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल, कपड़े, प्लास्टिक, स्टील, मेटल और फुटवियर मुख्य टारगेट हैं, अधिकतर उत्पादों पर टैरिफ 35 प्रतिशत स्लैब के आसपास होंगे, लेकिन पैसेंजर व्हीकल शुल्क 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगा।

भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर पर पड़ेगा ज्यादा असर : उद्योग का कहना है, भारत से मेक्सिको होने वाले ऑटोमोबाइल सेक्टर से वाहनों का निर्यात, जो कि 2024-25 में मेक्सिको को लगभग 5.7 अरब डॉलर का सामन निर्यात किया, जिसमें वाहनों का हिस्सा लगभग एक तिहाई था। लेकिन अब मैक्सिको द्वारा लगाए गए टैरिफ की वजह से ऑटोमोबाइल सेक्टर पर विशेष असर पड़ने की संभावना है। हुंडई की क्रेटा, किआ की मैग्राइट और फॉक्सवैग जैसी भारतीय निर्मित कारें मेक्सिको में काफी लोकप्रिय है। भारत मेक्सिको का पांचवां सबसे बड़ा ऑटो आपूर्तिकर्ता है। टैरिफ शुल्क दोगुने होने से भारतीय ऑटो उद्योग को नुकसान होने की संभावना है।

ऑटो उद्योग ने जताई चिंता : भारतीय ऑटो उद्योग ने मेक्सिको द्वारा मुक्त व्यापार समझौता से वंचित देशों पर आयात शुल्क को दोगुना से अधिक बढ़ाने के प्रस्ताव पर सरकार के सामने चिंता जताई है। इस विषय पर सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) और ऑटो कंपोनेट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के प्रतिनिधियों ने वाणिज्य और भारती उद्योग मंत्रालयों के अधिकारियों से मुलाकात कर विदेशी बाजार में वाहन और पुर्जों के निर्यात में होने वाले चुनौतियों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। सैमको सिक्योरिटीज के रिसर्च विशेषज्ञ जाहोल प्रजापति ने बताया, मेक्सिको को भारतीय कार निर्यातकों मुख्य रूप से फॉक्सवैगन, हुंडई, मारुति सुजुकी को इसका सीधा असर पड़ रहा है, जिससे उस मार्केट में वॉल्यूम और मार्जिन पर खतरा है।

नयनपुर राइस मिल हादसा

संचालक की लापरवाही से गई तीन मजदूरों की

मशीनों के कंपन से ढही जर्जर दीवार,औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की खुली अनदेखी

नयनपुर औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों का आक्रोश,चक्का जाम कर किया बड़ा आंदोलन

तीन मजदूरों की मौत के बाद फूटा गुस्सा,पूर्व जिला पंचायत सदस्य पंकज तिवारी के नेतृत्व में उठीं जनहित की मांगें...

नयनपुर औद्योगिक क्षेत्र में मौत का कारोबार

राइस मिल में दीवार ढहने से 3 मजदूरों की मौत,1 गंभीर

लापरवाही, प्रदूषण और प्रशासनिक चुप्पी के खिलाफ फूटा मजदूरों का गुस्सा, चक्का जाम तक पहुंचा आक्रोश

-शमरोज खान-

सूरजपुर,14 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। नयनपुर औद्योगिक क्षेत्र एक बार फिर मजदूरों के लिए कब्रगाह साबित हुआ, कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित मित्तल राइस मिल में बुधवार सुबह करीब 10 बजे हुए भयावह हादसे ने औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था, मिल प्रबंधन की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक निगरानी तीनों की पोल खोलकर रख दी, मिल के भीतर काम के दौरान अचानक एक दीवार ढह गई, जिसके नीचे दबकर तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया।

नयनपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित राइस मिल में हुआ हादसा अब केवल एक 'दुर्घटना' नहीं, बल्कि राइस मिल संचालक की सीधी लापरवाही का मामला बनता जा रहा है, मिल में काम कर रहे तीन मजदूर जर्जर और कमजोर दीवार के नीचे दबकर मारे गए,जबकि यह पहले से स्पष्ट था कि वहां भारी मशीनें संचालित होती हैं और लगातार तेज वाइब्रेशन होता रहता है,स्थानीय लोगों और मजदूरों का साफ कहना है कि जिस दीवार के गिरने से यह हादसा हुआ,वह उच्च कोटि की नहीं थी,न ही उसे औद्योगिक मानकों के अनुरूप मजबूत बनाया गया था,सवाल यह है कि जब दीवार की मजबूती संदिग्ध थी,तो उसी स्थान पर भारी और कंपन पैदा करने वाली मशीनें आखिर किसकी अनुमति से चलाई जा रही थीं?

प्रशासन हर बार 'जांच' तक ही क्यों?

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा। मलबे में और मजदूरों के दबे होने की आशंका के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया,हादसे की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर और एसएसपी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया, प्रशासन ने एक बार फिर वही रटा-रटाया बयान दिया जांच की जा रही है,लापरवाही पाई गई तो कार्रवाई होगी,लेकिन स्थानीय लोगों का सवाल है क्या नयनपुर में पहली बार मजदूर मरे हैं? क्या पहले की मौतों पर कोई ठोस कार्रवाई हुई?

मुआवजा या मुंह बंद करने की कोशिश?

राइस मिल प्रबंधन ने मृत मजदूरों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये और घायल मजदूर को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की है, मजदूरों का साफ कहना है कि यह मुआवजा नहीं,हमारी आवाज दबाने की कोशिश है,परिवारों का कहना है कि न कोई स्थायी नौकरी, न बीमा, न सुरक्षा और मौत के बाद कुछ पैसों से जिम्मेदारी खत्म करने की परंपरा अब बर्दाश्त नहीं होगी।

मौत के बाद फूटा जनाक्रोश,चक्का जाम

तीन मजदूरों की मौत के बाद नयनपुर औद्योगिक क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में मजदूर, ग्रामीण, सरपंच और उपसरपंच सड़कों पर उतर आए और चक्का जाम कर दिया,आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जिला पंचायत के पूर्व सदस्य पंकज तिवारी के पहुंचते ही आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया,पंकज तिवारी ने दो टूक कहा नयनपुर औद्योगिक क्षेत्र में मजदूर नहीं, बल्कि मौत पैदा की जा रही है। यदि प्रशासन जनहित की मांगें पूरी करने में असमर्थ है तो उग्र आंदोलन की जिम्मेदारी भी प्रशासन की होगी

प्रदूषण से बीमारी...लापरवाही से मौत...

नयनपुर औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण की हालत यह है कि स्थानीय लोग खेती नहीं कर पा रहे,उड़ती धूल से बच्चे सांस की बीमारी से पीड़ित, गंदा पानी नदी में छोड़ने से मवेशियों के सामने पेयजल संकट लेकिन न उद्योग मालिकों को फर्क पड़ता है, न प्रशासन को।

पुलिस बल तैनात,तनाव बरकरार...

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया, प्रशासन ने एक माह के भीतर विभिन्न विभागों के माध्यम से जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मजदूरों की प्रमुख मांगें

- सभी उद्योगों की नियमित और सख्त जांच
- औद्योगिक क्षेत्र को प्रदूषण मुक्त किया जाए
- मजदूरों के लिए 10 बिस्तरीय अस्पताल
- सभी मजदूरों का अनिवार्य पंजीयन और बीमा
- औद्योगिक अपशिष्ट और गंदे पानी को नदी में छोड़ने पर तत्काल रोक
- पूर्व में दुर्घटनाग्रस्त मजदूरों को मुआवजा और पुनर्वास

सबसे बड़ा सवाल

क्या मजदूरों की मौत के बाद भी नयनपुर में सब कुछ 'सामान्य' हो जाएगा?

क्या जांच की फाइलें भी मलबे में दब जाएंगी?

नयनपुर की यह घटना सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि सिस्टम की सामूहिक विफलता है जहां मजदूर की जान की कीमत एक दीवार से भी कम समझी जाती है।

कमजोर दीवार + भारी मशीन = मौत का इंतजाम

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,राइस मिल में जिस दीवार को खड़ा किया गया था,वह न तो मानक सामग्री से बनी थी,न उसमें पिलर या सपोर्ट था,न ही कंपन को सहने की कोई तकनीकी व्यवस्था की गई थी,इसके बावजूद उसी दीवार के पास बड़े पैमाने पर मशीनें चलाई जा रही थीं। मशीनों के लगातार कंपन से दीवार पर दबाव बढ़ता गया और अंततः वह भरभराकर गिर पड़ी। दीवार के नीचे काम कर रहे मजदूरों को बचने का कोई मौका तक नहीं मिला और तीन जिंदगियां मौके पर ही खत्म हो गईं।

संचालक की जिम्मेदारी से कोई नहीं बच सकता

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पता था कि मशीनों का वाइब्रेशन ज्यादा है,तो कमजोर दीवार वहां क्यों बनाई गई? औद्योगिक क्षेत्र में बिना सुरक्षा मानकों के निर्माण की अनुमति किसने दी? स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह हादसा पूरी तरह से राइस मिल संचालक की घोर लापरवाही का परिणाम है। अगर समय रहते दीवार की गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया होता,अगर औद्योगिक सुरक्षा नियमों का पालन किया गया होता तो आज तीन मजदूर जिंदा होते।

औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा या सिर्फ मुनाफा?

नयनपुर जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र में इस तरह की कमजोर और जर्जर दीवार का होना अपने आप में गंभीर सवाल खड़े करता है, क्या यहां मजदूरों की जान से ज्यादा मुनाफा जरूरी है? सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? यह हादसा बताता है कि कई उद्योगों में सुरक्षा को खर्च और मजदूर को उपभोग की वस्तु समझा जा रहा है,अब सवाल कार्रवाई का मजदूरों और स्थानीय लोगों की मांग है कि इस मामले में राइस मिल संचालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या जैसी कड़ी धाराओं में मामला दर्ज हो,औद्योगिक क्षेत्र की सभी इमारतों और मशीनों की तत्काल तकनीकी जांच कराई जाए,दोषियों को मुआवजे तक सीमित न रखते हुए कानूनी सजा दी जाए नयनपुर की यह घटना एक चेतावनी है यदि आज भी जिम्मेदारों को नहीं घेरा गया,तो कल फिर किसी दीवार के नीचे मजदूरों की लाशें मिलेंगी।

मौत का मंजर

हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों की पहचान वेद सिंह, बोल सिंह और विफल के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल मजदूर सुरेंद्र को जिला अस्पताल सूरजपुर में भर्ती कराया गया है,जहां उसकी हालत अब भी नाजुक बनी हुई है,प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,हादसा इतना अचानक था कि मजदूरों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। कुछ ही सेकंड में जिंदा लोग मलबे में तब्दील हो गए।

प्राकृतिक हादसा नहीं,खुली लापरवाही...

स्थानीय मजदूरों और ग्रामीणों का आरोप है कि यह कोई प्राकृतिक दुर्घटना नहीं,बल्कि मिल प्रबंधन की आपराधिक लापरवाही का नतीजा है,जानकारी के अनुसार, मिल के अंदर करीब 8 फीट ऊंची दीवार खड़ी कर पार्टिशन बनाया जा रहा था बिना पिलर,बिना इंजीनियरिंग सलाह, बिना किसी सुरक्षा मानक के धान से चावल अलग करने की प्रक्रिया के दौरान उस पार्टिशन में चावल और कोढ़ा भरता गया, जिससे दीवार पर अत्यधिक दबाव बना। ऊपर से मशीनों के तेज वाइब्रेशन ने दीवार को कमजोर कर दिया और आखिरकार दीवार ढह गई,सवाल यह है कि क्या मजदूरों की जान इतनी सस्ती है कि बिना सुरक्षा के उन्हें काम पर झोंक दिया जाए?

कोयला लोड ट्रक को पुलिस ने पकड़ा,अवैध खुदाई कर किया जा रहा था परिवहन

-संवाददाता-

कोरबा,14 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। जिले से सटे मोरगा-सरगुजा सीमा पर पतुरियादांड जंगल में अवैध कोयला खनन का मामला सामने आया है। शनिवार रात कोयला खुदाई कर कोयला लोड कर ले जाने की कोशिश की। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह प्रयास विफल कर दिया गया। इस दौरान कोयले से भरा एक ट्रक जब्त किया गया। जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात कुछ कोयला तस्कर पतुरियादांड जंगल में पहुंचे और अवैध रूप से कोयले की खुदाई करने लगे। उन्होंने खुदाई किए गए कोयले को एक ट्रक में लोड कर लिया और भागने की कोशिश की। ग्रामीणों को इसकी भनक लगते ही उन्होंने तुरंत वन विभाग की टीम को सूचना दी। सूचना मिलने पर ग्रामीण और वनकर्मी जंगल की ओर तस्करों को पकड़ने के लिए रवाना हुए। तस्करों को देखकर वे ट्रक लेकर भागने लगे। वन विभाग की टीम और ग्रामीणों ने उनका पीछा किया और मोरगा चौकी पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस भी मौके पर पहुंची और काफी देर पीछा करने के बाद ट्रक को रोक लिया। जब्त ट्रक में भारी मात्रा में कोयला भरा हुआ था। ट्रक में चालक और एक हेल्पर मौजूद थे, जिनसे फिलहाल पूछताछ की जा रही है। मोरगा चौकी प्रभारी मंगतूराम ने बताया कि देर रात सूचना मिलने पर पेट्रोलिंग टीम के साथ रवाना हुए और वाहन को पकड़ा गया, जिसे बाद में वन विभाग के हवाले कर दिया गया है।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो.नं. - 9340154656, 98265-32611

कार्यालय नगरपालिका परिषद सूरजपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

Phone: 07775-266355/Fax:- 07775-266956/
Email Id :- nagarpalikasurajpur@gmail.com

क्रमांक / 955/2025-26 / सूरजपुर दिनांक- 5/12/2025

दुकान नामांतरण दावा / आपत्ति सूचना

नगर पालिका परिषद् सूरजपुर के स्वामित्व के दुकानों के नीचे दर्शित अनुसूची अनुसार आवेदकों द्वारा दुकानों के नामांतरण किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किए गये हैं। उक्त नामांतरण के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई दावा / अपत्ति हो तो मय दस्तावेज के साथ इस सूचना प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के अंदर अधोस्ताक्षारकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समयावधि में अपनी दावा / आपत्ति लिखित में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। विवरण निम्नानुसार है-

क्र0	दुकान स्थल का नाम	दुकान में मुल आंबटित दुकान	दुकान के हस्तांतरिति का नाम	हस्तांतर का स्वरूप
01	नविन शॉपिंग कॉम्पलेक्स	सज्जन बंसल / पिता मनिलाल	विनोद कुमार गुप्ता / पिता रामबरन गुप्ता	आपसी सहमति

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्षम प्राधिकरी (डायवर्सन) प्रतापपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

उदघोषणा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक मुकेश कुमार गुप्ता पिता राम प्रवेश गुप्ता जाति तेली निवासी प्रतापपुर तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम खोरमा प0ह0नं0 21 तहसील प्रतापपुर स्थित खसरा नंबर 54/ 29 रकबा 0.220 है. भूमि को छ0ग0भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के अन्तर्गत कृषि भूमि से भिन्न आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

यदि इस पर किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 22/12/2025 तक अपना दावा / आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। इस तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/12/2025 को न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

(सील)
अनुविभागीय अधिकरी (रा.)
सक्षम प्राधिकरी
प्रतापपुर,जिला-सूरजपुर

मुरेरगढ़: जहां रामायण काल की आस्था

आदिमानव की कला और प्रकृति एक साथ सांस लेती हैं

मुरेरगढ़ का रहस्य, रोमांच और श्रद्धा का अद्भुत हिल स्टेशन

जनकपुर का मुरेरगढ़:इतिहास,आस्था और शैलचित्रों की जीवित विरासत

मुरेरगढ़ की पहाड़ियां बोलती हैं इतिहास, मुस्कुराती है प्रकृति

जनकपुर का मुरेरगढ़ हिल स्टेशन के साथ-साथ रहस्य,रोमांच और आस्था का जीवंत संगम...

रामायण कालीन संस्कृति से जुड़ा अनुपम स्थल,जहां इतिहास,प्रकृति और विश्वास एक-दूसरे में घुलते हैं...

-राजन पांडेय-

एमसीबी,14 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का जनकपुर केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि रामायण काल, मिथिला संस्कृति और माता सीता से जुड़ी आस्था का जीवंत प्रतीक है, इसी जनकपुर अंचल में स्थित मुरेरगढ़ आज भी अपने भीतर इतिहास, रहस्य, रोमांच और आध्यात्मिक चेतना को संजोए हुए है, लगभग 2000 फीट की ऊँचाई पर स्थित यह पहाड़ी एमसीबी जिले की सबसे ऊँची चोटी मानी जाती है और प्राकृतिक हिल स्टेशन के रूप में अपनी अलग पहचान रखती है। बता दे की मुरेरगढ़ कोई साधारण पहाड़ी नहीं है, यह वह स्थान है जहां रामायण काल की आस्था, आदिमानव की कला, रियासतकाल का इतिहास और प्रकृति की अनुपम सुंदरता एक साथ मौजूद हैं, लेकिन विडंबना यह है कि इतना कुछ होने के बावजूद मुरेरगढ़ आज भी सरकारी उपेक्षा, प्रशासनिक उदासीनता और नीतिगत सुस्ती का शिकार बना हुआ है,जनकपुर अंचल में स्थित मुरेरगढ़ की पहाड़ियां सिर्फ पत्थर और जंगल नहीं हैं,बल्कि वे सभ्यता की जीवित किताबें हैं, यहां मिले प्रागैतिहासिक शैलचित्र बताते हैं कि जब आधुनिक समाज का जन्म भी नहीं हुआ था,तब आदि मानव इन पहाड़ियों में जीवन,कला और संघर्ष को रंगों में उकेर रहा था। सवाल यह है कि क्या यह धरोहर सिर्फ शोध-पत्रों और फाइलों तक सीमित रहने के लिए है? मुरेरगढ़ के शिखर पर मौजूद प्राचीन किले के अवशेष आज भी यह संकेत देते हैं कि यह क्षेत्र कभी सामरिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण रहा होगा, लेकिन आज वही किला खंडहर बनकर खड़ा है मानो पूछ रहा हो कि क्या इतिहास की कीमत सिर्फ तब तक है, जब तक वह पर्यटन पोस्टर में फिट बैठे? स्थानीय लोग इस पर्वत को सिद्ध बाबा पर्वत के नाम से पूजते हैं, महाशिवरात्रि, नवरात्रि और दीपावली जैसे पर्वों पर यहां हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं, आस्था आज भी जीवित है, लेकिन सवाल यह है कि क्या आस्था के भरोसे ही किसी धरोहर को छोड़ दिया जाना चाहिए? क्या सुरक्षा, रास्ता,साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाएं देना भी अब चमत्कार की श्रेणी में आ गया है? पर्यटन की दृष्टि से मुरेरगढ़ में वह सब कुछ है, जो किसी हिल स्टेशन को चाहिए ऊंचाई, हरियाली, गुफाएं, जलस्रोत, रहस्य और इतिहास। फिर भी यह स्थान पर्यटन मानचित्र पर सिर्फ इसलिए पीछे है क्योंकि दृष्टि का अभाव है,संसाधनों का नहीं, छत्तीसगढ़ सरकार एक ओर पर्यटन बढ़ाने की बात करती है, दूसरी ओर मुरेरगढ़ जैसे स्थलों को सिर्फ संभावना कहकर छोड़ देती है, सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि शैलचित्रों और प्राकृतिक संरचनाओं का कोई ठोस संरक्षण तंत्र नहीं है, न सुरक्षा, न निगरानी, न वैज्ञानिक संरक्षण। यदि यही हाल रहा, तो आने वाली पीढ़ियां मुरेरगढ़ को देखने नहीं, बल्कि सिर्फ उसके बारे में पढ़ने को मजबूर होंगी, अब सवाल यह नहीं है कि मुरेरगढ़ में क्या है सवाल यह है कि सरकार और प्रशासन क्या करना चाहते हैं? यदि मुरेरगढ़ को आज भी नजरअंदाज किया गया, तो यह सिर्फ एक पर्यटन अवसर की नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी की हार होगी, इतिहास बार-बार मौका नहीं देता और जो समाज अपनी धरोहरों को नहीं सहेजता, वह भविष्य में पहचान के संकट से जूझता है।

रामायण से रॉक पेंटिंग तक मुरेरगढ़ की अनकही कहानी

फीचर/पर्यटन स्टोरी

छत्तीसगढ़ का अनछुआ हिल स्टेशन – मुरेरगढ़

मुरेरगढ़: इतिहास की चुप्पी और प्रकृति की पुकार

पर्यटन मानचित्र पर चमकने को तैयार मुरेरगढ़

जहां हर चट्टान एक कथा है – मुरेरगढ़

रहस्य और रोमांच

मुरेरगढ़ की पहाड़ियों में छिपे रहस्य और सभ्यता के निशान

गुफाओं, किलों और शैलचित्रों का अद्भुत संसार – मुरेरगढ़

2000 फीट की ऊँचाई पर बसा आस्था और रोमांच का केंद्र

जहां सिद्ध बाबा की आस्था और आदिमानव की कला आज भी जीवित है...

शैलचित्रों में कैद आदिमानव,पहाड़ियों में बसती आस्था

आस्था-केंद्रित

सिद्ध बाबा पर्वत: आस्था, विश्वास और शक्ति का संगम

मुरेरगढ़ – जहां श्रद्धा शिखर पर पहुंचती है...

स्थान एवं पहुँच...जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ से दूरी

लगभग 105 किलोमीटर,पहुँच मार्ग केल्हारी,चुटकी,भंवरखोह मुरेरगढ़ जिला: मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छत्तीसगढ़) दुर्गम लेकिन रोमांचक रास्तों से होकर जब कोई मुरेरगढ़ की चोटी पर पहुँचता है, तो नीचे फैली हरियाली और ऊपर खुला आकाश मन को एक अलग ही दुनिया में ले जाता है।

गौरवशाली इतिहास की गवाही देता किला

मुरेरगढ़ पर्वत शिखर पर स्थित प्राचीन किले के अवशेष इसके गौरवशाली अतीत की मूक गवाही देते हैं। पर्यटन एवं पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार यह किला संभवतः रियासतकाल में बालंदशाह राजा द्वारा निर्मित गढ़ी रहा होगा, आज यह किला भले ही भग्न अवस्था में है, लेकिन इसके अवशेष यह बताते हैं कि यह स्थल कभी सैन्य और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा होगा।

प्रकृति की अनुपम देन

मुरेरगढ़ की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्राकृतिक संरचना है पहाड़ी में बनी प्राकृतिक गुफाएं, वर्षभर जलयुक्त रहने वाला प्राचीन कुआं, पुराने तालाब, गुफाओं से निकलने वाला मीठा और पीने योग्य जल, चारों ओर फैली घनी हरियाली और शांति, यह सब मिलकर मुरेरगढ़ को प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

आस्था का केंद्र सिद्ध बाबा पर्वत

स्थानीय जनमानस में मुरेरगढ़ को सिद्ध बाबा पर्वत के नाम से जाना जाता है। यहां महाशिवरात्रि, नवरात्रि, दीपावली के दूसरे दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना करते हैं। पर्वत शिखर पर स्थापित त्रिशूल और ध्वज इस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। लोगों की मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मुरादें पूरी होती हैं।

आदिमानव की कहानी कहते शैलचित्र

मुरेरगढ़ और जनकपुर क्षेत्र की पहाड़ियों में प्रागैतिहासिक शैलचित्र पाए जाते हैं, जो इस स्थल को और भी विशिष्ट बनाते हैं विशेष रूप से कोहबाहुर शैलाश्रय में मिले शैलचित्र लाल गेरू से निर्मित,हिरण,भैंसा, छिपकली जैसे वन्यजीवों के चित्र आदिमानव के शिकार,जीवनशैली और पर्यावरण को दर्शाते दृश्य ये शैलचित्र मध्यपाषाण काल से लेकर ऐतिहासिक काल तक मानव सभ्यता की यात्रा को दर्शाते हैं और छत्तीसगढ़ की समृद्ध पुरातात्विक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

पर्यटन की अपार संभावनाएं

मुरेरगढ़ नेचर टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, हेरिटेज टूरिज्म तीनों के लिए अत्यंत उपयुक्त स्थल है, यदि यहां सड़क,सुरक्षा,ठहराव और मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाए,तो यह स्थान छत्तीसगढ़ के प्रमुख हिल स्टेशनों में गिना जा सकता है।

भविष्य की दिशा

जिला प्रशासन द्वारा मुरेरगढ़ पर्यटन स्थल की विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल को प्रेषित की जा चुकी है,आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित होने के बाद यह स्थल स्थानीय रोजगार, पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था,सांस्कृतिक पहचान को नई दिशा दे सकता है।

जरूर आइए...मुरेरगढ़ आइए...

जहां इतिहास बोलता है,प्रकृति मुस्कुराती है
और आस्था सजीव हो उठती है....

प्रारूप प्रकाशन 23 दिसम्बर 2025 एवं अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को...

मतदाता सूची एसआईआर के तहत 18 दिसंबर तक जमा होंगे फॉर्म

-संवाददाता-

जशपुरनगर,14 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर संचालित निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार संशोधित कार्यक्रम के तहत पुनरीक्षण की प्रारंभिक प्रक्रिया के अंतर्गत गणना कार्य एवं फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया 18 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण की जाएगी। निर्वाचक नामावलियों का प्रारूप प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को किया जाएगा, जबकि सभी दावे-आपत्तियों के निराकरण एवं

आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 19 दिसंबर से 22 दिसंबर 2025 तक कंट्रोल टेबल का अद्यतन कर प्रारूप मतदाता सूची तैयार की जाएगी। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। इस अवधि में पात्र नागरिक सुधार के लिए निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से दावा आपत्ति आवेदन कर सकेंगे। दावे एवं आपत्तियों पर नोटिस जारी करने, सुनवाई, स्थल सत्यापन तथा प्रपत्रों पर निर्णय की प्रक्रिया 23 दिसम्बर 2025 से 14 फरवरी 2026 तक समानांतर रूप से संचालित की जाएगी। इसके बाद मतदाता सूची के मानकों की जांच कर अंतिम प्रकाशन हेतु आयोग की अनुमति 17 फरवरी 2026 तक प्राप्त की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे प्रारूप मतदाता सूची का सावधानीपूर्वक अवलोकन कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करें, ताकि अंतिम मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित तैयार की जा सके।

खड़गवां जनपद पंचायत में भ्रष्टाचार को खुला संरक्षण?

नवपदस्थ सीईओ पर गंभीर सवाल...शिकायत जांच में देरी से गरीब किसान परेशान

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,14 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। जनपद पंचायत में नवपदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पदस्थापना के बाद से भ्रष्टाचार को मिल रहा है बढ़वा आखिर क्यों नहीं होती। शिकायत जांच में क्यों होती है देरी सवाल क्यों खड़ा हो रहा है। ऐसा लगता है कि जनपद पंचायत खड़गवां के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के सह पर शिकायत जांच में देरी का कारण यहां रहता है की जिनकी शिकायत जांच होनी है उन्हें शिकायत से संबंधित सब कुछ सही करने का मौका दिया जाता है क्या?

ग्राम पंचायत सिंघत ग्राम पंचायत कदरेवा ग्राम पंचायत आमाडाड में एवं अन्य निर्माण कार्य पर रोक लगाने की शिकायत समय समय पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री से की जा रही है।

अभी हाल में ही ग्राम पंचायत सिंघत में सांसद मद से कम्पयूटर भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति कराकर स्व मेहीलाल के पटे की भूमि

पर खसरा नंबर -28 पर भवन का निर्माण कार्य किये जाने की शिकायत दर्ज हुई थी। जो अनुचित रूप से सही निर्माण कार्य किया जा रहा था। शिकायतकर्ता ने अपने शिकायत में ये भी उल्लेख किया है कि कार्य स्वीकृति के समय जो दस्तावेज में खसरा नंबर 24 लगाया गया था वहां पर निर्माण कार्य कराया जाना था जो खसरा नंबर 28 पर कराया गया है जबकि बंशीलाल सिंह के चाचा के पटे की भूमि पर निर्माण कार्य किया गया है। क्या भवन निर्माण कार्य का ले आउट देने वाले इंजीनियर और अधिकारियों के द्वारा भवन निर्माण स्थल के दस्तावेजों का अवलोकन करने के पश्चात ही लेआउट करना चाहिए मगर इस जनपद पंचायत खड़गवां के अधिकारियों के द्वारा निर्माण करने वाले की सुविधा का ज्यादा ध्यान दिया जाता है?

जनपद पंचायत खड़गवां के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा शिकायत जांच समय पर क्या दी गई होती तो ये कम्प्यूटर भवन उस गरीब किसान के पट्टे की भूमि पर नहीं बना गया होता जनपद पंचायत खड़गवां में पदस्थ अधिकारियों की लापरवाही के कारण गरीब किसान को परेशान पड़ रहा है। सिघत ग्राम पंचायत में कई बड़े घोटाले हुए हैं और जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ ने उसकी जांच भी कराई मगर कार्यवाही का कुछ पता नहीं चला कि क्या हुआ या आदान प्रदान में ही निपट गया ऐसा खेल इस जनपद पंचायत खड़गवां में बड़े जोरों पर चल रहा है? क्या इस शिकायतकर्ता गरीब किसान को जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ न्याय दिलाने में सफल होंगे या सिर्फ शिकायत रदी कि टोकरी में सेवा देगी?

मुंह के कैंसर को मात दे चुकी एक्टर की पत्नी,मौत के करीब होकर भी संवारा पति का करियर,गहने-घर बेचकर बनाया हीरो...

एक्टर ने पिछले दिनों ही अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करते हुए पत्नी को लेकर कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए थे। एक्टर ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी पत्नी को देते हुए बताया था कि उनकी पत्नी 4 बार कैंसर को मात दे चुकी हैं।

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपने दमदार अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता शारिब हाशमी आज के समय में किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने कई फिल्मों और सीरीज में अपनी क्षमता का परिचय दिया है। हाल ही में शारिब द फैमिली मैन में निभाए अपने किरदार जेके तलपड़े और फिर विजय वर्मा और फातिमा सना शेख स्टारर गुस्ताख इश्क को लेकर चर्चा में रहे, जिसमें उन्होंने बेहद अहम किरदार निभाया है। द फैमिली मैन में जेके का करिदार डेट्स पर जाता है, शादी करना चाहता है, लेकिन क्या आप जानते हैं शारिब हाशमी असल जिंदगी में शादीशुदा हैं और दो बच्चों के पिता हैं। यही नहीं, शारिब अपनी सफलता का श्रेय भी अपनी पत्नी को देते हैं।

चार बार हुई कैंसर की सर्जरी

शारिब हाशमी की पत्नी का नाम नसरीन है और दोनों के साथ को 30 साल से ज्यादा हो चुके हैं। जी हां,एक पोस्ट के जरिए हाल ही में शारिब ने नसरीन के साथ अपने सफर के बारे में बताया था। उन्होंने एक बेहद प्यारी सी तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने बताया कि तब वह 18 साल के थे और नसरीन 19 साल की थीं, जब उनकी मुलाकात हुई थी। वहीं इनकी शादी की बात करें तो दोनों 2003 में शादी के बंधन में बंधे थे। लेकिन, ये सफर ना तो शारिब के लिए आसान रहा और ना ही नसरीन के लिए। एक तरफ जहां शारिब अपनी प्रोफेशनल लाइफ में उतार-चढ़ाव से गुजर रहे थे तो वहीं नसरीन कैंसर की चपेट में आ गई थीं।

एक्टिंग के लिए छोड़ी नौकरी

शारिब हाशमी ने 2003 में नसरीन से शादी की और 2009 में अभिनय की खातिर अपनी नौकरी छोड़ दी। शारिब को धोबी घाट में एक रोल के लिए फाइनल भी कर लिया गया था, जिसके लिए उन्होंने नौकरी छोड़ी थी, लेकिन तभी पता चला कि उनकी जगह किसी और ने ले ली है और इस खबर के चलते उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। हर किसी ने उनसे किनारा कर लिया, लेकिन नसरीन हमेशा उनके साथ रहीं। पति का करियर संवारने के लिए नसरीन ने अपनी ज्वेलरी तक बेच दी और उफ्फ भी नहीं किया। यही नहीं, दोनों ने अपना घर भी गिरवी रख दिया और आखिरकार आज शारिब उस मुकाम पर हैं, जहां पहुंचने के उन्होंने सपने देखे थे।

मुंह के कैंसर से जूझ चुकी हैं नसरीन

नसरीन एक आदर्श जीवनसाथी होने के साथ-साथ एक कैंसर सर्वाइवर भी हैं। जी हैं, नसरीन एक-दो बार नहीं बल्कि चार बार कैंसर को मात दे चुकी हैं। जैसे ही शारिब हाशमी की जिंदगी पटरी पर आने लगी थी, तभी उन्हें पता चला कि नसरीन को मुंह का कैंसर है और उन्हें लगा जैसे अब सब बिखर गया। लेकिन, नसरीन ने हार नहीं मानी और बड़ी सर्जरी के बाद भी पति, बच्चों और अपने घर के लिए फिर उठ खड़ी हुईं। नसरीन की अब तक चार सर्जरी हो चुकी हैं, लेकिन हर बार वह 3-4 दिनों में ही ठीक हो जाती हैं और अपने परिवार के लिए ढाल बनकर खड़ी हो जाती हैं।

2025 की 5 सबसे बड़ी कंट्रोवर्सी,जिन्होंने हिला दिया पूरा बॉलीवुड,सैफ पर हमले से दीपिका की डिमांड तक...

बॉलीवुड के लिये ये साल काफी मिला-जुला रहा...इस साल बॉलीवुड में कई बड़े विवाद भी देखने को मिले,जिनमें सैफ अली खान पर उनके ही घर में चाकू से हुए हमले से लेकर दीपिका पादुकोण की 8 घंटे शिफ्ट की डिमांड को लेकर मचा बवाल शामिल है...

बॉलीवुड और विवादों का नाता उतना ही पुराना है, जितना इस इंडस्ट्री का इतिहास। कभी फिल्म में कास्टिंग को लेकर विवाद खड़े हो जाते हैं तो कभी फिल्मों पर कानूनी केस हो जाना। लेकिन, इस बार बॉलीवुड में कुछ ऐसे विवाद खड़े हो गए, जो पहले कभी देखने को नहीं मिले। एक तरफ सैफ अली खान पर उनके ही घर के भीतर घुसकर एक शख्स ने चाकू से हमला कर दिया तो वहीं परेश रावल ने हेरा फेरी 3 में अपनी आवाजाही से हलचल पैदा कर दी। अब जब ये साल जाने को है तो चलिए जानते हैं 2025 की कुछ ऐसी कॉन्ट्रोवर्सीज के बारे में, जिसने पूरी इंडस्ट्री हिलाकर रख दी।

सैफ अली खान पर चाकू से हमला

इस साल की शुरुआत में सैफ अली खान पर एक शख्स ने चाकू से हमला कर दिया था। 15 जनवरी की रात करीब ढाई बजे एक शख्स सैफ-करीना के घर में चोरी के इरादे से दाखिल हुआ और पकड़े जाने पर सैफ अली खान पर चाकू से हमला कर दिया। शख्स ने सैफ अली खान पर करीब 6 वार किए, जिसके चलते अभिनेता खून से लथपथ हो गए। इस हमले के बाद सैफ ऑटो से लीलावती अस्पताल पहुंचे थए, जहां उनकी सर्जरी हुई और कुछ दिन चले इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया।

परेश रावल और हेरा फेरी 3 विवाद

जैसे ही मेकर्स ने हेरा फेरी 3 का ऐलान किया, फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, लेकिन इसी बीच

खबर आई की फ्रेंचाइजी में बाबू भैया के किरदार से दर्शकों को हंसाने वाले परेश रावल अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। परेश रावल ने खुद एक पोस्ट करते हुए इस बात की पुष्टि की, जिसके बाद मामला धीरे-धीरे बढ़ता गया और कोर्ट तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में परेश रावल ने अपना मन बदल लिया और हेरा फेरी 3 में वापसी कर ली, जिसके बाद फैंस ने राहत की सांस ली।

दीपिका पादुकोण 2 फिल्मों से हुई आउट

इस साल की सबसे बड़ी कॉन्ट्रोवर्सीज में से एक दीपिका पादुकोण की कथित 8 घंटे की शिफ्ट भी

रही,जिसे लेकर विवाद इतने बढ़ गए कि दीपिका पादुकोण को 2 बिग बजट फिल्मों से हाथ धोना पड़ गया। पहले तो अभिनेत्री को संदीप रेड्डी वांगा ने प्रभास स्टारर स्पिरिट से बाहर का रास्ता दिखा दिया और उसके बाद दीपिका कल्कि: 2898 एडी के सीक्वल से भी हाथ धो बैठीं,जिसकी वजह उनकी कथित 8 घंटे की शिफ्ट डिमांड और कुछ अन्य शर्तें बताई गई हैं।

दिलजीत दोसांझ बॉयकॉट कॉल

मशहूर सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ भी इस साल काफी चर्चा में रहे, कभी पॉजिटिव तो कभी निगेटिव कारणों से। उनके दिल लुमिनाटी कॉन्सर्ट ने जहां दुनियाभर में धूम मचाई तो वहीं अपनी फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर को लेकर उन्होंने विवाद खड़े कर दिए। जबकि, भारत में 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी कलाकारों को बैन कर दिया गया था। जैसे ही फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ, दर्शकों ने दिलजीत दोसांझ को बॉयकॉट करने की मांग शुरू कर दी।

उदित नारायण ने फैंस को किस करके किया विवाद

इस साल की शुरुआत में एक कॉन्सर्ट के वीडियो वायरल हुए,जिसमें वह अपनी फीमेल फैंस को गालों और फिर होंठों पर किस करते नजर आए। इन वीडियोज के सामने आने के बाद कई लोगों ने सिंगर को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। इसके बाद सिंगर के एक-एक कर कई वीडियो वायरल हुए,जिनमें सिंगर ऐसे ही अपनी महिला फैंस को किस करते दिखे थे। इस पर उदित नारायण ने जो प्रतिक्रिया दी,उस पर और बवाल खड़ा हो गया। सिंगर का कहना था कि फैंस इतने दीवाने होते हैं,और हम लोग इस तरह नहीं हैं। हम तो डीसेंट लोग हैं। कुछ लोग इसे प्यार जताने का तरीका मानते हैं और ऐसे ही प्रोत्साहित करते हैं। लेकिन,उड़ाने-फेंकने जैसी बातें करने से कोई फर्क नहीं पड़ता। वहां पर भीड़ होती है और हमारे पास बॉडीगार्ड्स भी होते हैं। फैंस को लगता है कि उन्हें मौका मिल रहा है मिलने का,तो कुछ लोग हाथ मिलाते हैं और कुछ हाथ पर किस भी कर लेते हैं। ये सब उनकी दीवानगी का हिस्सा है। हमें इसे ज्यादा तवज्जो नहीं देनी चाहिए।

आईआईटी खड़गपुर से पासआउट इंजीनियर, लाखों के पैकेज को ठुकराकर बना एक्टर

हर साल जाने कितने ही छात्र आईआईटी में पढ़ाई के लिए तैयारी करते हैं, लेकिन चुनिंदा छात्रों को ही देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ाई का मौका मिलता है। लेकिन, फिल्मी दुनिया में एक ऐसा कलाकार है, जिसने देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक आईआईटी खड़गपुर से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद एक्टिंग की राह चुन ली। बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकारों ने एंट्री ली है, जो ना तो फिल्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखते हैं और ना ही इनका इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर होता है, लेकिन तमाम उतार-चढ़ाव के बाद भी ये इंडस्ट्री में अपने दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। आयुष्मान खुराना, राजकुमार राव कुछ ऐसे ही कलाकार हैं। लेकिन, क्या आप इंडस्ट्री के उस कलाकार को जानते हैं जिसने आईआईटी खड़गपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से सिविल इंजीनियरिंग करके चमचमाते भविष्य और लाखों के पैकेज को ठुकराकर अभिनय की राह चुन ली। हम बात कर रहे हैं पंचायत सीरीज के सचिव जी यानी जितेंद्र कुमार की। आज के समय में जितेंद्र कुमार इंडस्ट्री का जाना-माना नाम बन चुके हैं, लेकिन एक समय था जब उन्हें आईआईटी पासआउट होने के बाद भी कई संघर्षों का सामना करना पड़ा। जितेंद्र कुमार ने पंचायत और कोटा फैक्ट्री जैसी सीरीज में अपने अभिनय से खुद को साबित किया और हमेशा तारीफें बटोरीं। बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के उन्होंने अपने लिए जो राह बनाई वो वाकई काबिल-ए-तारीफ है। लेकिन,क्या आप जानते हैं आईआईटी पासआउट होने के बाद भी जितेंद्र कुमार के लिए अभिनय की राह आसान नहीं थी। जितेंद्र के माता-पिता भी उनके एक्टर बनने के फैसले से बिलकुल खुश नहीं थे। इसका खुलासा भी खुद जितेंद्र कुमार ने ही किया था।

जब सौम्या टंडन के लिए गले की फांस बन गई खूबसूरती...11 वीं में मनचले ने भर दी थी रहमान डकैत की बेगम उल्फत की मांग...

सौम्या टंडन टीवी इंडस्ट्री की सबसे मशहूर और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से हैं,जिन्होंने कई टीवी शोज में अपने अभिनय का डंका बजाया है। खासतौर पर भाभीजी घर पर हैं में अपने गोरी मेम के किरदार से तो उन्होंने खूब तहलका मचाया था। दर्शकों के बीच उनका किरदार खूब पसंद किया गया, लेकिन सौम्या ने कुछ सालों बाद इस कॉमेडी शो से दूरी बना ली। अब सौम्या,रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं,जिसमें उन्होंने अक्षय खन्ना द्वारा निभाए किरदार रहमान डकैत की बेगम उल्फत का किरदार निभाया है। जैसे ही फिल्म में सौम्या की एंट्री हुई,हर कोई उन्हें देखकर हैरान रह गया। इस बीच चलिए आपको सौम्या टंडन के बारे में एक दिलचस्प किस्सा बताते हैं। सौम्या टंडन का जन्म 3 नवंबर 1984 को भोपाल में हुआ था और उनका पालन-पोषण उज्जैन में हुआ। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई भोपाल और उज्जैन में ही की और फिर कॉलेज की पढ़ाई के दौरान ही पहले

मॉडलिंग और फिर टेलीविजन की दुनिया में कदम जमाए। 2006 में फेमिना कवर गर्ल की फर्स्ट रनरअप भी रहीं,जिसके बाद उन्हें मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे और फिर अभिनय की दुनिया में भी मौके मिलने शुरू हो गए। सौम्या ने अपने पिता के निधन के बाद काम करना शुरू किया और धीरे-धीरे इंड्स्ट्री का जाना-माना नाम बन गईं।

जब मुसीबत बन गई खूबसूरती

सौम्या टंडन टीवी इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत हसीनाओं में से एक हैं। लेकिन,एक बार यही खूबसूरती उनके लिए जंजाल बन गई थी। हाउटरफ्लाई के साथ बातचीत में सौम्या टंडन ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए बताया था कि कैसे कई बार इस खूबसूरती के चलते उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। सौम्या ने बताया कि उज्जैन में एक बार एक शख्स ने ठीक उनके सामने अपनी बाइक रोकी और उनकी मांग में सिंदूर भर दिया। इस घटना से वह बुरी तरह सहम गई थीं।

खेल समाचार

सनसनी शेन चंडारिया ने फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप जीती

चेन्नई,14 दिसम्बर 2025। शेन चंडारिया ने एफआई-4 सर्टिफाइड फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप का तीसरा सीज़न जीता, जो इंडियन रेसिंग फेस्टिवल का हिस्सा है,और मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में 15 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के टाइटल विनर बन गए। 2025 सीज़न में एक नए चेहरे वाले रूकी के तौर पर एंट्री करने वाले केन्या के चंडारिया ने इसे निर्विवाद चैंपियन के तौर पर खत्म किया। यह उनके छोटे से करियर की पहली चैंपियनशिप जीत थी। चेन्नई टर्बो राइडर्स इस वीकेंड पांचवें और आखिरी राउंड में टॉप पर 24 अंकों की बढ़त के साथ थे। हालांकि, उनके सामने एक चुनौती थी क्योंकि उनके ज़्यादा अनुभवी प्रतिद्वंद्वी करीब आ रहे थे, और मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में एक मुश्किल ट्रैक और कठिन परिस्थितियाँ उनका इंतज़ार कर रही थीं। लेकिन बेबी समुराई के नाम से मशहूर चंडारिया इस काम के लिए तैयार थे और उन्होंने बढ़त का पूरा फायदा उठाते हुए रेस 1 में ही चैंपियनशिप जीत ली। दिन की पहली रेस पोल पोजीशन से शुरू करते हुए, इस टीनएजर ने 23 लैप 26 मिनट, 23.059 सेकंड में पूरे किए। हालांकि वह किच्चा के किंग्स बेंगलुरु के सैचेल रोटगे से पीछे दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 26:22.674 का समय लिया, लेकिन टॉप 2 में फिनिश करना टाइटल जीतने के लिए काफी था। चैंपियनशिप खत्म होने के बाद भी, फ्रेंचमैन रोटगे और चंडारिया,जैसा कि वे इस सीज़न में अक्सर करते रहे हैं, एक बार फिर रेस 2 में आमने-सामने थे और रिवर्स ग्रिड के कारण ट्रैक के पीछे होने के बावजूद,उन्होंने मुकाबला किया और आखिर में कुछ साहसी ओवरटेकिंग मूव्स करके पोडियम पर जगह बनाई। जबकि गोवा एसेस रेसिंग के 16 साल के लुविव संबुडला ने रेस जीती,रोटगे,जिन्होंने आखिरी लैप में डबल ओवरटेक किया, दूसरे स्थान पर रहे और चंडारिया तीसरे स्थान पर रहकर इस सीज़न पर अपनी अमिट छाप छोड़ी।

भारत ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप में हराया

» 90 रन से जीता मैच,आरोन जॉर्ज ने 85 रन बनाए कनिष्क-दीपेश को 3-3 विकेट

दुबई,14 दिसम्बर 2025। भारत ने अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान को 90 रन से हरा दिया। दुबई में रविवार को खेले गए ग्रूप स्टेज मुकाबले में 241 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही पाकिस्तानी टीम 41.2 ओवर में 150 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान की ओर से हुजैफा अहसन ने सबसे ज्यादा 70 रन बनाए। भारत के लिए गेंदबाजी में दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने 3-3 विकेट झटके। किशन सिंह को 2 सफलता मिली, जबकि वैभव सूर्यवंशी और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया

था। बारिश के कारण मुकाबले को 49-49 ओवर का कर दिया गया। भारत ने आरोन जॉर्ज की 85 रन की पारी की बदौलत 240 रन बनाए। कनिष्क चौहान ने 46 और कप्तान आयुष म्हात्रे ने 38 रन का योगदान दिया। पिछले मैच में शतक लगाने वाले वैभव सूर्यवंशी इस बार सिर्फ 5 रन ही बना सके।

पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद सैय्याम और अब्दुल सुभान ने 3-3 विकेट लिए। निकाब शफीक को 2 सफलता मिली, जबकि अली रजा और अहमद हुसैन ने एक-एक विकेट हासिल किए।

कनिष्क चौहान प्लेयर ऑफ द मैच बने

भारत के लिए कनिष्क चौहान ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने बल्लेबाजी में 46 रन बनाए और गेंदबाजी में 3 पाकिस्तानी बल्लेबाजों को आउट किया। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत टॉप पर पहुंचा

अंडर-19 एशिया कप के ग्रूप-ए में भारत टॉप पर पहुंच गया है। टीम इंडिया ने अपने दोनों मुकाबले जीत लिए हैं। पहले मैच में भारत ने यूएई को 234 रन से हराया था। भारत के खाते में अब 4 पॉइंट्स हैं और अगला मुकाबला 16 दिसंबर को मलेशिया के खिलाफ खेला जाएगा।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत:-आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज, विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडु (विकेटकीपर), कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, किशन सिंह और हेनिल पटेल।

पाकिस्तान:-उस्मान खान, समीर मिन्हास, अली हसन बलोच, अहमद हुसैन, फरहान यूसुफ (कप्तान), हमजा जहूर (विकेटकीपर), हुजैफा अहसन, निकाब शफीक, अब्दुल सुभान, मोहम्मद सैय्याम और अली रजा।

उन्नति हुडा,किरण जॉर्ज ने एकल खिताब जीता

कटक,14 दिसम्बर 2025। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 100 टूर्नामेंट, ओडिशा मास्टर्स 2025 के आखिरी दिन टॉप सीड खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उन्नति हुड्डा और किरण जॉर्ज ने क्रमशः महिला और पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता। महिला सिंगल्स फाइनल में, टॉप सीड हुड्डा ने शांत प्रदर्शन करते हुए अपनी हमवतन इशरानी बरुआ को आधे घंटे से कुछ ज़्यादा समय में 21-17, 21-10 से हराया। हुड्डा ने शुरू से ही रैलियों पर कंट्रोल रखा, जिससे बरुआ को वह मोमेंटम नहीं मिला जिसने उन्हें ड्रॉ में शानदार प्रदर्शन करने में मदद की थी। हार के बावजूद, बरुआ ने शानदार प्रदर्शनों की एक सीरीज़ के बाद एक यादगार हफ़्ते का अंत एक अच्छी तरह से जीते गए सिल्वर मेडल के साथ किया। पुरुष सिंगल्स फाइनल में एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसमें दूसरी सीड जॉर्ज ने इंडोनेशिया के मुहम्मद यूसुफ को तीन गेम के कड़े मुकाबले में हराया। जॉर्ज ने पहला गेम 21-14 से जीता, जिसके बाद यूसुफ ने वापसी करते हुए मैच को बराबर कर दिया। लचीलापन और टैक्टिकल समझ दिखाते हुए, जॉर्ज ने निर्णायक गेम 21-16 से जीतकर एक घंटे के कोर्ट पर रहने के बाद खिताब अपने नाम किया। इंडोनेशिया को मिक्स्ड डबल्स में सफलता मिली, जहाँ मारवान फ़ाज़ा/ऐस्या प्रानाटा ने अपने हमवतन डेजान फ़र्डिनंस्याह/बर्नाडिन वर्दाना को 21-15, 21-10 से हराया।

भारत ने दो बदलाव किए,दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे टी 20 के लिए 3 बदलाव किए

धर्मशाला,14 दिसम्बर 2025। शॉर्ट सीरीज़ में एक-एक मैच जीतने के बाद भारत और साउथ अफ्रीका एक अहम मुकाबले के लिए उतरे। दोनों टीमें धर्मशाला में जीत हासिल करके सीरीज़ में बढ़त बनाना चाहती हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी करने का फैसला किया। दूसरे मैच में मिली हार से उबरने वाली टीम इंडिया ने जीत के इरादे से अपनी फाइनल टीम में दो बदलाव किए हैं। दूसरी ओर, सफारी टीम भी तीन बदलावों के साथ मैदान में उतरी । जसप्रीत बुमराह,जिन्होंने पहले दो मैचों में ज़्यादा असर नहीं डाला था,धर्मशाला में नहीं खेल रहे हैं। इसी तरह,ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी टीम में नहीं हैं, इसलिए उनकी जगह हर्षित राणा और कुलदीप यादव को फाइनल टीम में शामिल किया गया है। साउथ अफ्रीका, जिसने मुल्लनपुर में शानदार प्रदर्शन करके सीरीज़ बराबर की थी,स्टब्स,कॉर्बिन बॉश और नॉर्जे को खिला रही है।

भारत की फाइनल टीम:- अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा,हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे,जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

साउथ अफ्रीका की फाइनल टीम:-क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीज़ा हेंड्रिक्स, एडेन मार्करम (कप्तान),डेवाल्ड ब्रेविस, स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को जेनसेन, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्जे, लुंगी एनगिडी, बार्टमैन।

C M Y K

बिल्ली की आवाज से नए छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन में भौचक्के रह गए मंत्री-विधायक

मंत्री ओपी बता रहे थे 'विजन-2047' का रोडमैप चंद्राकर बोले-उद्योग नीति में छत्तीसगढ़ की झलक नहीं

रायपुर,14 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन में कार्यवाही के बीच एक बिल्ली घुस आई। इस वक्त वित्त मंत्री ओपी चौधरी विजन डॉक्यूमेंट पर संबोधन दे रहे थे। मंत्री जैसे-जैसे बोल रहे थे, वैसे-वैसे बिल्ली की म्याऊं-म्याऊं तेज हो रही थी। इसे सुनकर मंत्री विधायक करीब 5 मिनट तक ठहाके लगाते रहे। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम,वित्त मंत्री की ओर देखकर मुस्कुरा उठे। स्पीकर,मंत्री, विधायक और अफसर भी कुछ देर तक हंसी नहीं रोक पाए। बाद में कर्मचारियों ने बिल्ली को बाहर निकाला, तब जाकर सदन की कार्यवाही सामान्य रूप से आगे बढ़ सकी। नए विधानसभा भवन में 'विजन 2047' पर चर्चा हुई, लेकिन कांग्रेस ने पहले दिन सत्र का बहिष्कार किया। इस पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि कांग्रेस डूबती हुई नाव है। इस नाव का डूबना तय है, इसलिए सत्ता पक्ष और भारतीय जनता पार्टी पूरी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ रही है।

वहीं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अंजोर विजन-2047 की सकारात्मक चर्चा में विपक्ष की गैरमौजूदगी को दुर्भाग्यपूर्ण है। सत्र के पहले ही दिन बहिष्कार कर कांग्रेस ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसे छत्तीसगढ़ के भविष्य और विकास को लेकर कोई गंभीर सोच नहीं है। यह सत्र 17 दिसंबर तक 4 दिन चलेगा। कार्यवाही शुरू होने से पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक हुई। बैठक विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे। आज सदन की कार्यवाही 11 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। कांग्रेस विधायकों ने पहले दिन सत्र का बहिष्कार किया है। पहले दिन के सत्र में प्रश्नकाल नहीं हुआ। दूसरे दिन यानी 15 दिसंबर से 17 दिसंबर तक सदन में लॉ एंड ऑर्डर, धान, बिजली, जमीन दर से मुद्दों पर हंगामे के आसार है। शीतकालीन सत्र में विधायकों ने 628 सवाल लगाए हैं। मंत्रियों को इन सवालों के जवाब देने होंगे। इस सत्र में सबसे अहम मुद्दा धर्मांतरण का होगा। जानकारी के अनुसार सरकार धर्मांतरण-संशोधन विधेयक ला सकती है।

उद्योग नीति में छत्तीसगढ़ की झलक नहीं : अजय चंद्राकर

वहीं पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि विधानसभा में आज नई प्रक्रिया की शुरुआत हुई। बहस और चर्चा किस मुद्दे पर करनी है? इसका सवाल-जवाब कैसे होगा? तय होना चाहिए। विजन डॉक्यूमेंट के लिए सीएम और वित्त मंत्री को बधाई। उन्होंने पूछा कि 2047 के विजन की नींव क्या है और समग्र परिवर्तन में अब तक क्या गलतियां हुईं, यह सामने आना चाहिए। 'नवा अंजोर' दस्तावेज में केवल शिक्षा और स्वास्थ्य पर ही फोकस है। चंद्राकर ने कहा कि उद्योग नीति में छत्तीसगढ़ की झलक नहीं है। अजय ने कहा कि उद्योग नीति में मेक इन छत्तीसगढ़ का ध्यान नहीं रखा गया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि राइस मिल की हालत खराब है। खाद्य मंत्री चाहे तो स्वतंत्र बहस कर सकते हैं।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : चौधरी

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि 'विजन 2047' विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में एक ठोस रोडमैप है, जिसे समाज के हर वर्ग से मिले सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि करीब एक लाख लोगों की सलाह इस विजन में शामिल की गई है। चौधरी ने कहा कि भारत युवा आबादी वाला देश है और आगे बढ़ने के लिए स्पष्ट विजन होना जरूरी है। उन्होंने कहा आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। 2047 तक यह 64 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे वर्तमान पीढ़ी को विकास के बड़े अवसर मिलेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि इसी सोच के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भी विकास का विजन तैयार किया गया है। 'विजन 2047' का उद्देश्य महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी को कम करना, शिशु मृत्यु दर में सुधार लाना और कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र की विकास दर को बढ़ाना है।

संशोधित धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम होगा पास : शीतकालीन सत्र में साय सरकार संशोधित धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम पास कर सकती है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने इसके संकेत दिए हैं। इस अधिनियम के पास होने के बाद प्रदेश में धार्मिक विवाद कम होने की आशंका गृहमंत्री ने जताई है।

एक धर्म से दूसरे धर्म में जाना आसान नहीं होगा : धर्मांतरण संशोधन विधेयक निर्माण कमेटी के सदस्यों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को लेकर विवाद न बढ़े, इसलिए गृहमंत्री के नेतृत्व में नया ड्राफ्ट तैयार किया गया है। इस ड्राफ्ट के अनुसार, अब किसी एक धर्म से दूसरे धर्म में जाना आसान नहीं होगा।

नक्सलियों का 11 लाख कैश जब्त,मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़,बॉर्डर पर फोर्स को मिली सफलता

राजनांदगांव,14 दिसम्बर 2025। मध्यप्रदेश के बालाघाट पुलिस ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव रेंज के कवर्धा से सटे एक जंगल से लाखों रुपए बरामद किया है। बालाघाट पुलिस ने रेंगाखार से सटे सिरका के जंगल से नक्सलियों द्वारा छुपाए गई रकम को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि आत्मसर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर पुलिस को यह सफलता मिली है। वहीं केंद्रीय एजेंसियां भी आत्मसर्पित नक्सलियों से पूछताछ कर अहम जानकारी हासिल कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक बालाघाट पुलिस ने रेंगाखार की सीमा पर स्थित सिरका के जंगल से 11 लाख रुपए जब्त किया है। नक्सलियों ने उक्त रकम को जमीन में डंप कर रखा था। इसके अलावा पूछताछ में नक्सलियों की ओर से कुछ और हथियार छुपाने संबंधी जानकारी भी दी है। आत्मसर्पण करने के पश्चात नक्सलियों से लगातार केंद्रीय एजेंसियां भी सवाल-जवाब कर रही है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की राज्य की खुफिया एजेंसी भी एक-दूसरे के यहां पहुंचकर गोपनीय जानकारी हासिल कर रही है। बताया जा रहा है कि आत्मसर्पित नक्सलियों की ओर से पुलिस को सहयोग एक सीमित दायरे में मिल रहा है। यानी पुलिस को ज्यादा जानकारी मिलने की उम्मीद है। इससे परे केंद्र की आईबी, एनआईए व राज्य की खुफिया एजेंसियां तीनों राज्यों के आत्मसर्पित नक्सलियों से बारी-बारी पूछताछ कर रही है। माना जा रहा है कि पुलिस को नक्सल मोर्चे में कई बड़ी जानकारियां जल्द ही हाथ लगेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विद्युत मंडल के साथ पीएम आवास योजना ग्रामीण की कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन

रायपुर,14 दिसम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवीन विधानसभा परिसर स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में रजत महोत्सव विशेष छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल द्वारा प्रकाशित 'ऊर्जावान छत्तीसगढ़' कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। यह काफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना तथा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल एवं उसकी उत्तरवर्ती पावर कंपनियों की 25 वर्षों की गौरवमयी यात्रा,उपलब्धियों और विकास गाथा पर आधारित है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह कॉफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक परिवर्तनों, अधोसंरचना विकास, नवाचारों और जनसेवा आधारित कार्यों का सजीव दस्तावेज है। कॉफी टेबल बुक में छत्तीसगढ़ राज्य ने ऊर्जा क्षेत्र में सुदृढ़ नियोजन, आधुनिक तकनीक और उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ उल्लेखनीय उपलब्धियों को शामिल किया गया है और सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की स्थापना से लेकर 32 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता,कोयला खनन के सुदृढ़ संचालन और राज्यव्यापी पारेषण-वितरण ढांचे के विस्तार तक बिजली क्षेत्र में व्यापक सुधार को प्रदर्शित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल की टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण, प्रतिबद्धता और योगदान की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी सुबोध कुमार सिंह, ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन तथा डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी रोहित यादव, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर सहित वरिष्ठ अधिकारी जे.एस. नेताम, संजीव सिंह एवं आशुतोष जायसवाल उपस्थित थे।

बदहाल स्वास्थ्य विभाग का एक और नमूना,एम्बुलेंस नहीं मिला तो खाट पर 6 किमी दूर शव ले गए परिजन

सुकमा, 14 दिसम्बर 2025। सुकमा जिले के जगरगुंडा क्षेत्र के चिमलीपेंटा में एक युवक की तबीयत खराब होने पर समय पर एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सका। परिजनों ने बताया कि इलाज के लिए ले जाते समय युवक की मृत्यु हो गई, जिसके बाद शव ले जाने के लिए भी एम्बुलेंस नहीं मिल पाया। जिसके कारण 6 किमी दूर गांव खाट पर शव लेकर गए। परिजनों के मुताबिक, बारसे रामेश्वरम को हाथ-पैर में सूजन और पेट दर्द की शिकायत थी। पहले उसका इलाज चिमलीपेंटा गांव से 6 किमी दूरजगरगुंडा अस्पताल में कराया गया था। बाद में घर पर अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने एम्बुलेंस के लिए संपर्क किया, मगर कई बार फोन करने के बावजूद एम्बुलेंस नहीं पहुंचा। इसके बाद वे युवक को दुपहिया वाहन से अस्पताल ले जाने निकले, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई। परिजनों ने बताया कि मृत्यु के बाद शव को ले जाने के लिए फिर से एम्बुलेंस की मांग की गई, लेकिन उन्हें अवकाश का हवाला देकर एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं कराया गया। इसके बाद परिजन खाट पर शव को घर ले गए। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में एम्बुलेंस नहीं मिलने से उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस मामले को लेकर कलेक्टर देवेश ध्रुव ने कहा है कि वे मामले की जानकारी लेकर जांच कराएंगे।

महतारी वंदन योजना की राशि बढ़ा सकती है साय सरकार,नए नाम भी जल्द से जल्द जोड़े जाएंगे : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर, 14 दिसम्बर 2025। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने महतारी वंदन योजना में नए नाम जोड़ने को लेकर अहम जानकारी मीडिया को दी है, उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि हमारी सरकार मोदी की गारंटी को पूरा करने में प्रतिबद्ध है, आने वाले समय में जल्द ही महतारी वंदन योजना में नए नाम जोड़े जाएंगे। इसी के साथ उन्होंने इस योजना की राशि में बढ़ोतरी पर कहा, कि इसका भी निर्णय जल्द हमारी सरकार ले सकती है। बता दें कि छग सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महतारी वंदन योजना का सफल संचालन कर रही है। इस योजना के तहत राज्य सरकार ने हाल ही में 22वीं किस्त जारी कर दी है। जिसके तहत पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,000 रुपये सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। लगभग 67,71,012 महिलाएं इस योजना का लाभ अब तक उठा चुकी हैं।

छत्तीसगढ़ के सरकारी दफ्तरों में बंद रहेगा कामकाज

सामान काम सामान पेंशन को लेकर हड़ताल पर रहेंगे कर्मचारी

रायपुर,14 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर प्रदेशभर के शासकीय कर्मचारी अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 29 से 31 दिसंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। हड़ताल की तैयारियों के तहत छत्तीसगढ़ संचालनालयीन शासकीय कर्मचारी संघ की ओर से 13 दिसंबर को इंद्रावती भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तय की गई और पदाधिकारियों की अलग-अलग टीमें गठित की गईं। ये टीमें प्रदेश के विभिन्न विभागों और कार्यालयों में जाकर कर्मचारियों को आंदोलन के उद्देश्य और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देंगी।

इन 11 प्रमुख मांगों को लेकर करेंगे आंदोलन

1. केंद्र सरकार के समान कर्मचारियों और पेंशनरों को देय तिथि से महंगाई भत्ता (डीए) लागू किया जाए।
2. डीए एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित की जाए।
3. सभी कर्मचारियों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान का लाभ दिया जाए।
4. लिपिक, शिक्षक, स्वास्थ्य विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग सहित विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियों को दूर करने हेतु पिंगुआ समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।
5. प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए संपूर्ण सेवा लाभ दिया जाए तथा पंचायत सचिवों का शासकीयकरण किया जाए।
6. सहायक शिक्षकों एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को तृतीय समयमान वेतनमान प्रदान किया जाए और नगरीय निकाय कर्मचारियों को नियमित मासिक वेतन व समयबद्ध पदोन्नति मिले।
7. अनुकंपा नियुक्ति नियमों में 10 प्रतिशत सीलिंग में शिथिलीकरण किया जाए।
8. प्रदेश में कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू की जाए।
9. अर्जित अवकाश नगदीकरण की सीमा 300 दिवस की जाए।
10. दैनिक, अनियमित एवं संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के लिए ठोस नीति बनाई जाए।
11. सभी विभागों में समानता लाते हुए कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष की जाए।

बाइक को तोड़फोड़ करने पर भड़का गुस्सा,आवेश में बेटे ने पिता को उतारा मौत के घाट

रायपुर,14 दिसम्बर 2025। राजधानी के गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक बेटे ने गुस्से में अपने ही पिता की हसिया से हत्या कर दी। पुलिस ने मामले की जानकारी मिलते ही आरोपी बेटे राहुल साहू को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, घटना की शुरुआत बेटे द्वारा हाल ही में खरीदी गई बाइक से हुई। पिता संतोष साहू ने बेटे की नई बाइक में तोड़फोड़ कर दी, जिससे राहुल का गुस्सा भड़क गया। इस आक्रोश में उसने हसिया से अपने पिता पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पिता अक्सर पैसों को लेकर बेटे से झगड़ा करते थे। बाइक खरीदने और पैसे न देने को लेकर दोनों के बीच विवाद हिंसक रूप ले गया। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की पूरी जांच शुरू कर दी है।

साय सरकार का बड़ा फैसला...अब घर बैठे ऑनलाइन कर सकेंगे जमीनों का डायवर्सन

रायपुर, 14 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने जमीनों के डायवर्सन की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने का बड़ा फैसला लिया है। अब प्रदेश के किसान और भूमि स्वामी अपने जमीनों का डायवर्सन घर बैठे ऑनलाइन कर सकेंगे। इस संबंध में राजस्व विभाग ने राजपत्र में अधिसूचना भी प्रकाशित कर दी है। नई व्यवस्था के तहत नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायत और ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि डायवर्सन के लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। डायवर्सन के लिए भूमि स्वामी को सरकारी पोर्टल पर आवेदन करना होगा और क्षेत्र के अनुसार निर्धारित भू-राजस्व और प्रीमियम दर का ऑनलाइन भुगतान करना होगा। आवेदन सीधे संबंधित जिले के एसडीएम के पास ऑनलाइन पहुंचेगा। सरकार का दावा है कि यह नई ऑनलाइन व्यवस्था पारदर्शिता बढ़ाएगी, प्रक्रिया को समयबद्ध और आसान बनाएगी। नियम के अनुसार, एसडीएम को 15 दिनों के भीतर डायवर्सन आदेश जारी करना अनिवार्य होगा। यदि तय समय में आदेश जारी नहीं किया गया, तो 16वें दिन सिस्टम से ऑटोमेटिक आदेश जारी होकर डायवर्सन स्वतः मान्य हो जाएगा।

भूमि मूल्यांकन प्रक्रिया में एक और बड़ा कदम पेरी-अर्बन व अन्य ग्रामों में वर्ग मीटर दर समाप्त

रायपुर,14 दिसम्बर 2025। राज्य सरकार ने भूमि मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पेरी-अर्बन ग्रामों एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में लागू वर्ग मीटर दर को पूर्णतः समाप्त कर दिया है। अब ग्रामीण एवं अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में भूमि का मूल्यांकन केवल हेक्टेयर दर के आधार पर किया जाएगा। इस फैसले से आम नागरिकों, किसानों और भू-धारकों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

पहले इस तरह की थी व्यवस्था : पूर्व व्यवस्था के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 500 वर्ग मीटर तक की भूमि का मूल्यांकन वर्ग मीटर दर से तथा 500 वर्ग मीटर से अधिक भूमि का मूल्यांकन हेक्टेयर दर से किया जाता था। चूंकि वर्ग मीटर दर, हेक्टेयर दर की तुलना में अधिक होती थी, इसलिए कम क्षेत्रफल वाली भूमि पर अधिक मूल्य और मुआवजा देय हो जाता था, जबकि बड़े क्षेत्रफल की भूमि पर अपेक्षाकृत कम। यह एक बड़ी विसंगति थी, जिसे समाप्त करते हुए सरकार ने अब सभी ग्रामीण भूमि के लिए एक समान हेक्टेयर आधारित मूल्यांकन व्यवस्था लागू की है।

जमीनों का न्यायसंगत मिल सकेगा मुआवजा

इस निर्णय से भू-अर्जन प्रकरणों में अब भूमि के वास्तविक क्षेत्रफल के अनुरूप न्यायसंगत मुआवजा मिल सकेगा। उदाहरण के तौर पर बालोद जिले के ग्रामीण क्षेत्र देवारभाट में पूर्व व्यवस्था के तहत 500 वर्ग मीटर भूमि का मूल्यांकन 9 लाख 25 हजार रुपये किया जाता था, जबकि 1000 वर्ग मीटर (0.10 हेक्टेयर) भूमि का मूल्यांकन केवल 3 लाख 67 हजार रुपये होता था। नई व्यवस्था में वर्ग मीटर दर समाप्त होने के बाद 500 वर्ग मीटर भूमि का मूल्यांकन 6 लाख रुपये तथा 1000 वर्ग मीटर भूमि का मूल्यांकन 12 लाख रुपये किया जा रहा है, जो पूरी तरह तर्कसंगत और न्यायसंगत है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)